■ आषाढ़ शुक्ल - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 330 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 29-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर में लोकप्रिय सरकार बनाने के प्रयास जारी : एन बीरेन सिंह

6 मेजर दीपेंद्र विक्रम बस्नेत: ग्रेनेड की बौछार के बीच आतंकवादियों के खूंखार कमांडर का किया खात्मा

7 एक्टिंग के लिए न्यूट्रल रहना जरूरी : कोंकणा सेन शर्मा

फर्स्ट टेक

भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम दोनों पड़ोसियों के बीच समग्र संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए।

केरल: समुद्र में फंसे 40 मछुआरे बचाए गए

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के त्रिशूर जिले में शनिवार को नाव का इंजन खराब होने के कारण समुद्र में फंसे 40 मछुआरों को बचाया गया और सुरक्षित तट पर लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यहां चेट्टुवा बंदरगाह से मछली पकड़ने गए मछुआरों को एक मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा। हालांकि, मत्स्य पालन समुद्री प्रवर्तन की बचाव टीम ने त्वरित कदम उठाते हुए उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की। बयान में कहा गया कि समुद्र में फंसे सभी मछुआरे काझिमब्रम और वलप्पड़ क्षेत्रों से थे और नाव का मालिक एक स्थानीय व्यक्ति था। शुक्रवार दोपहर को अझिकोड मत्स्य केन्द्र को संदेश प्राप्त हुआ कि इंजन में खराबी के कारण मछली पकड़ने वाली नौका और उसके कर्मचारी समुद्र में फंस गए हैं।

चेन्नई जा रही एयर इंडिया की उड़ान केबिन में जलने की गंध के कारण मुंबई लौटी

मुंबई/भाषा। चेन्नई जाने वाली एयर इंडिया की एक उड़ान को केबिन में 'जलने की गंध' के कारण शनिवार को मुंबई वापस लौटना पड़ा। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि विमान सुरक्षित तरीके से वापस उतर गया। एयरलाइन ने बयान में कहा, मुंबई से चेन्नई जा रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या 'एआई 639' को 27 जून दिन शुक्रवार को केबिन में जलने की गंध आने के कारण एहतियातन लौटना पड़ा। एयर इंडिया ने बिना कोई विशेष विवरण दिए बताया कि विमान सुरक्षित तरीके से मुंबई में उतर गया और विमान बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। एयरलाइन ने बताया कि मुंबई में हवाई अड्डे पर उसके कर्मियों ने इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए यात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की।

सूर्यास्त 29-06-2025	सूर्योदय 30-06-2025
6:49 बजे	5:57 बजे

BSE	NSE
84,058.90	25,637.80
(+303.03)	(+88.80)

सोना	चांदी
10,216 रु.	107,267 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कैसे होगी समानता

हम जाति पूछना बंद करें,
ना पूछे धर्म वर्ग आधार।
मिट जाएगा भेद स्वतः ही,
होंगे सम सबके व्यवहार।
आरक्षण उनको देवें,
जो हैं लाचार दीन बीमार।
जिनको इसका लाभ मिल गया,
छोड़ें परहित में अधिकार।।

पुरी रथ यात्रा

पुरी में रथ यात्रा शुरू होने के एक दिन बाद शनिवार को भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ अपने गंतव्य गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। गुंडिचा मंदिर को देवताओं की 'मौसी' का घर माना जाता है जो हर साल जगन्नाथ मंदिर से निकलकर अपनी 'मौसी' के घर जाते हैं। गुंडिचा मंदिर 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से 2.6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। देवता नौ दिन बाद मुख्य मंदिर चले जाएंगे। वापसी की रथ यात्रा को 'बहुदा यात्रा' कहा जाता है जो इस साल पांच जुलाई को होगी।

भारत के विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि हजारों वर्षों से अमर है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता बताते हुए कहा है कि यह देश हजारों वर्षों से अमर है क्योंकि इसके विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि शाश्वत हैं।

मोदी ने शनिवार को यहां जाने-माने जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमारा भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। और इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि, मुनि, महर्षि, संत और आचार्य! आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज भारत की इसी पुरातन परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तम्भ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्र अपनी आध्यात्मिक परंपरा में एक महत्वपूर्ण अवसर देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन एक अन्य कारण से भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि 28 जून 1987 को श्री विद्यानंद मुनिराज को औपचारिक रूप से 'आचार्य' की उपाधि प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि यह महज एक उपाधि नहीं बल्कि एक पवित्र धारा की शुरूआत थी जिसने जैन परंपरा को विचार, अनुशासन और करुणा से जोड़ा है।

■ प्रधानमंत्री मोदी कों आचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी द्वारा 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की गई ।

मोदी ने आचार्य को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह शताब्दी समारोह कोई साधारण आयोजन नहीं है, यह एक युग और एक महान तपस्वी के जीवन की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उन्हें 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की गई है और वह इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर मां भारती के चरणों में समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा , मैं विशेष रूप से आचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी का अभिनंदन करता हूँ, उन्हें प्रणाम करता हूँ। आपके मार्गदर्शन में आज करोड़ों अनुयायी पूज्य गुरुदेव के बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। आज इस अवसर पर आपने मुझे 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है, मैं खुद को इसके योग्य नहीं समझता, लेकिन हमारा संस्कार है कि हमें संतों से जो कुछ मिलता है, उसे प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता हैं। और इसीलिए, मैं आपके इस प्रसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ, और माँ भारती के चरणों में समर्पित करता हूँ।

मोदी ने कहा कि आचार्य ने अपने साहित्य के जरिए और भजनों के माध्यम से प्राचीन प्राकृत भाषा का पुनरोद्धार किया। यह भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है। इसी भाषा में पूरा मूल 'जैन आगम' रचा गया।

भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लें युवा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोधरा/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे।

शाह ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया।

शाह, वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया।

शाह ने गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए कहा, अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई-बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोविंद गुरु की वीरता से प्रेरणा लेते हुए 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

शाह ने कहा, यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण बात है। हमारे युवाओं और बच्चों को एक ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जहां देश अपनी आजादी की शताब्दी मनाए जाने पर दुनिया के हर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर हो।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गोविंद गुरु विश्वविद्यालय की स्थापना की कल्पना की थी।

शाह ने अपने संबोधन में कहा, आज पंचमहल (जिले) के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी पराग जैन को रॉ प्रमुख नियुक्त किया गया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा रॉ प्रमुख रवि सिन्हा का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। कार्मिक,जन शिकायत और पेंशन मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पंजाब कैडर के 1989 बैच के अधिकारी श्री जैन को केबिनेट सचिवालय के अंतर्गत आने वाले रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल कार्यभार संभालने के दिन से दो वर्ष या अगले आदेश तक होगा ।

संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द नासूर : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गये शब्दों को नासूर करार देते हुए कहा है कि इससे संविधान की आत्मा का अपमान हुआ है।

धनखड़ को शनिवार को उपराष्ट्रपति निवास में आयोजित एक समारोह में कर्नाटक के पूर्व विधायक और लेखक डी. एस. वीरैया द्वारा संकलित 'अंबेडकर के संदेश' पुस्तक की पहली प्रति भेंट की गई।

इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने संविधान की प्रस्तावना को बदले जाने को गंभीर विषय बताया और कहा कि प्रस्तावना वह आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। उन्होंने कहा कि अन्य किसी भी देश के संविधान की प्रस्तावना में इस तरह का बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना

■ धनखड़ ने आपातकाल को लोकतंत्र का अंधकारमय दौर बताया और कहा कि इसकी कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

अद्वितीय है। भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है, और क्यों? प्रस्तावना अपरिवर्तनीय है। प्रस्तावना आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है। यह उसकी बीज-रूप है। यह संविधान की आत्मा है। लेकिन भारत की इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया और 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ दिए गए। धनखड़ ने आपातकाल को लोकतंत्र का अंधकारमय दौर बताया और कहा कि इसकी कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आपातकाल - भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर था। जब लोग जेलों में थे, मौलिक अधिकार निलंबित थे। उन लोगों के नाम पर'हम भारत के लोग'जो खुद उस समय दासता में थे, क्या सिर्फ शब्दों का प्रदर्शन किया गया?

शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के लिए नए युग की शुरुआत : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब शनिवार को अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा नये युग की शुरुआत का प्रतीक है तथा यह भारत के गगनयान मिशन की दिशा में पहला कदम है।

दोनों के बीच 18 मिनट तक चली बातचीत के अंत में प्रधानमंत्री ने 'भारत माता की जय' का नारा लगाया, तो शुक्ला ने भी उनके साथ नारा लगाया और इस तरह अंतरिक्ष स्टेशन 'भारत माता की जय' के नारे से गूंज उठा।

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से वीडियो लिंक के जरिए बातचीत में शुक्ला से कहा, ''शुभांशु, आज आप भारत की धरती से सबसे दूर हैं, लेकिन हर भारतीय के दिल के सबसे करीब हैं।''

आईएसएस 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर धरती की परिक्रमा कर रहा है।

मोदी ने कहा कि शुक्ला के नाम में 'शुभ' शब्द है और उनकी यात्रा नये युग की शुभ शुरुआत का प्रतीक है।

शुक्ला ने प्रधानमंत्री से कहा, ''मेरी अंतरिक्ष यात्रा सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की भी यात्रा है।'' उन्होंने कहा कि वह इन 'नए अनुभवों को स्पंज की तरह' आत्मसात कर रहे हैं।

अंतरिक्ष स्टेशन पर सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में अपने अनुभव साझा करते हुए अंतरिक्ष यात्री ने कहा, ''यहां सब कुछ अलग है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा, ''हमने एक साल तक प्रशिक्षण लिया और विभिन्न प्रणालियों के बारे में सीखा... लेकिन यहां आने के बाद सब कुछ बदल गया... यहां छोटी-छोटी चीजें भी अलग हैं, क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं है... यहां सोना एक बड़ी चुनौती है... इस वातावरण में अभ्यस्त होने में कुछ समय लगता है।''

अंतरिक्ष यात्री ने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन प्रतिदिन पृथ्वी की 16 बार परिक्रमा करता है तथा उन्हें प्रतिदिन 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

शुक्ला ने कहा, ''फिलहाल हम 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा कर रहे हैं। यह गति दर्शाती है कि हमारा देश कितनी तेजी से प्रगति कर रहा है और अब हमें इससे भी आगे जाना होगा।''

भारत को अंतरिक्ष में बनाना है अपना स्टेशन : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मिशन गगनयान को आगे बढाने के साथ ही भारत को अंतरिक्ष में अपना स्टेशन बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर उतरे। मोदी ने 41 साल के अंतराल के बाद अंतरिक्ष में गये दूसरे भारतीय नागरिक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बात करते हुए कहा चंद्रयान की सफलता के बाद देश के युवाओं ने विज्ञान के प्रति एक नई रुचि विकसित की है। अंतरिक्ष का अन्वेषण करने के लिए एक नया उत्साह है... आज बच्चे न केवल आकाश को देखते हैं, बल्कि सोचते हैं कि वे उस तक पहुँच सकते हैं। यही भावना हमारे भावी अंतरिक्ष मिशनों का आधार है। हमें मिशन गगनयान को आगे ले जाना है, हमें अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाना है, और हमें यह सुनिश्चित करना है कि एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर उतरे।

पश्चिमी देशों पर

रूस में अलगाववाद को बढ़ावा देने का पुतिन ने आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों पर रूस में अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। पुतिन द्वारा पश्चिमी देशों की आलोचना यूक्रेन में संघर्ष को लेकर इन देशों के साथ रूस के तनावपूर्ण संबंधों के बीच आई है।

पुतिन ने शुक्रवार को बेलारूस की राजधानी मिंस्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, जब तक इस्लामिक स्टेट (आईएस) रूस के खिलाफ काम करता रहा, किसी ने भी उस पर (आईएस पर) ध्यान नहीं दिया। मॉस्को में विस्फोट जैसी घटनाएं आज भी हो रही हैं, लेकिन कोई इस पर ध्यान नहीं दे रहा।

यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा, ''कोई भी इस पर ध्यान नहीं देना चाहता। जब तक यह रूस के खिलाफ है, सब ठीक है।'' पुतिन ने कहा, ''ऐसा उस वक्त हुआ, जब पश्चिमी देशों ने हमारे देश में अलगाववाद को बढ़ावा दिया और रूस के खिलाफ लड़ाई के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल किया।''

सरकारी टेलीविजन 'रूस टुडे' ने पुतिन के हवाले से कहा कि मॉस्को अब पश्चिम के साथ ''एकतरफा'' खेल नहीं खेलेगा। उन्होंने कहा, ''पश्चिमी देशों ने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) विस्तार और यूक्रेन संघर्ष को हल करने से संबंधित अपने वादों को पूरा न करके बार-बार रूस को धोखा दिया है।'' पुतिन ने कहा कि नाटो वर्तमान में रूस की ''आक्रामकता'' का हवाला देकर अपने सदस्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च में वृद्धि और यूरोप में सैन्य तैनाती को उचित ठहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जब नाटो के सदस्य इस तरह के बयान देते हैं तो वे ''सब कुछ उल्टा कर देते हैं।''

सहज स्मृति योग

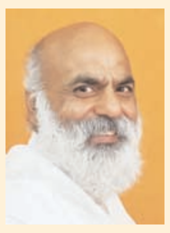

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, संसार में फैले वैमनस्य के संदर्भ में बोलते हुए आपने कहा था कि, मानवी संस्कृति को उसके सनातन सुंदर स्वरूप में और निर्दोष स्वभाव में बनाए रखने के लिए और उसके अपने ही असुंदर रूप और दोषपूर्ण भाव से बचाए रखने के लिए मानवता का स्वयं से निरंतर संवाद करते रहना समाधान की भूमिका निभाता है। लेकिन, दूसरी तरफ़ आप यह भी कहते हैं कि केवल बातें करने भर से समस्या का समाधान नहीं होता। क्या दूसरी बात पहली बात को पूरी तरह से निरस्त करती नहीं दिख रही है ? क्या यह अपनी ही बात का खंडन नहीं है ?

उत्तर: नहीं, दोनों बातों में कोई अंतर विरोध या बाह्य विरोध नहीं है बल्कि दोनों ही बातें एक दूसरे की पूरक हैं। विवाद सुलझाने में रचनात्मक संवाद की भूमिका असंदिग्ध है। मानव समाज में विवाद या तो किसी नवीन वाद को प्रस्तुत करने या, पहले ही से प्रचलित किसी वाद विशेष को बलात् दूसरों पर आरोपित करने या, फिर किसी तथ्य की प्रमाणिकता के संदिग्ध होने पर उभरता है। ऐसे में वाद और तथ्य सामने रख कर संवाद करके ही स्पष्टता प्राप्त की जा सकती है। पर, स्पष्टता प्राप्त होते ही तब फिर उस पर अमल करना आवश्यक हो जाता है। किंतु, स्पष्टता मिलने के उपरांत भी हम यदि बात करते ही रह जाएँ तो फिर न केवल समस्या का समाधान नहीं होगा बल्कि समस्या और भी जटिल होती जाती है। इस प्रकार दोनों हो बातें सही हैं।पर, केवल अपने-अपने स्थान पर।

संतोष रूपी धन ही व्यक्ति का असली धन होता है : मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ओकलीपुरम स्थित तुलसी एनक्लेव में मुनि डॉ पुलकित कुमार के सान्निध्य में प्रवचन का आयोजन किया। संतश्री ने कहा कि मनुष्य को स्वयं की शक्ति का सदुपयोग करना चाहिए।आलस्य एवं प्रमाद रूपी आत्मा शत्रुओं से बचना चाहिए। कषाय का जंग आत्मा की उज्ज्वलता को मलिन व सत्वहीन बनाता है। क्रोध, मान, माया और लोभ के कारण व्यक्ति धर्म क्रिया से दूर हो जाता है। संतोष रूपी धन ही व्यक्ति का असली धन होता है।

कार्यक्रम में तेरापन्थ सभा गांधीनगर के कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया ने आगामी 6 जुलाई को गांधीनगर सभा भवन में चातुर्मासिक प्रवेश एवं शाम 6 बजे पैलेस ग्राउंड गेट नंबर 9 पर आयोजित धम्मजागरण की जानकारी दी।

इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु चंडालिया ने किया। मंत्री विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

बिरला के छह साल के कार्यकाल में डिजटलीकरण और नए सांसदों को अवसर देना रही प्राथमिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के छह साल के कार्यकाल के दौरान भले ही कुछ मौकों पर सदन में गतिरोध देखने को मिला हो, लेकिन संसदीय रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, विशेष विधायी ब्रीफिंग और पहली बार चुने गए सांसदों को मुद्दे उठाने के अवसर देना उनकी पहचान रही है।

बिरला तीसरी बार निचले सदन के लिए निर्वाचित हुए हैं। उन्हें पिछले साल 26 जून को 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया था और इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने निचले सदन के पीठासीन अधिकारी के रूप में छह साल पूरे किए। लोकसभा अध्यक्ष ने हाल ही में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 18वीं लोकसभा के पहले वर्ष में 104 प्रतिशत कार्य उत्पादकता दर्ज की गई है। प्रमुख कानूनों को मंजूरी देने के लिए सदन की बैठक आधी रात तक चली। उन्होंने यह भी कहा था कि 18वीं लोकसभा ने पिछले एक साल के दौरान निचले सदन की 372 घंटे की बैठकों के दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक, आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक और आव्रजन और विदेशी विधेयक सहित 24 विधेयक पारित किए।

बिरला 19 जून, 2019 को पहली बार लोकसभा अध्यक्ष चुने गए थे। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल पिछले साल 26 जून को शुरू हुआ। बिरला ने कहा कि सदस्यों को सदन में अविलंब लोक महत्व के मुद्दों को उठाने की अनुमति देना उनकी प्राथमिकता रही है और इस साल तीन अप्रैल को एक रिकॉर्ड बनाया गया था जब लोकसभा में 204 मुद्दे उठाए गए थे, जो एक दिन में उठाए गए मुद्दों की सर्वाधिक संख्या है। उन्होंने कहा कि संसदीय रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण प्राथमिकता का एक अन्य क्षेत्र रहा है और लोकसभा सचिवालय 8,000 घंटे से अधिक की ऐतिहासिक संसदीय चर्चाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया में है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने ये वीडियो दूरदर्शन अभिलेखागार से लिए हैं क्योंकि ये संसद टीवी के अस्तित्व में आने से पहले के हैं।

आपातकाल ने पूरे देश को जेल में बदल दिया था : रेखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आपातकाल ने पूरे देश को जेल में बदल दिया था : रेखा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि आपातकाल के दौरान पूरे देश को जेल में बदल दिया गया था, जहां नागरिक स्वतंत्रता निलंबित कर दी गई थी और विपक्षी नेताओं को बिना किसी सुनवाई के जेल में डाल दिया गया था।

रेखा ने यह टिप्पणी आपातकाल के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा की महिला मोर्चा की ओर से आयोजित 'नकली संसद' कार्यक्रम में की।

इस मौके पर कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''जो लोग जेब में संविधान लेकर चलते हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि उनकी सरकार के दौरान ही इसकी हत्या की गई थी। इंदिरा गांधी के शासनकाल में सिर्फ सत्ता की एक कुर्सी की रक्षा के लिए सभी अधिकार छीन लिए गए थे।'' उन्होंने शाहबानो प्रकरण का भी उदाहरण दिया कि कैसे राजनीतिक लाभ के लिए संवैधानिक सिद्धांतों के साथ समझौता किया गया।

अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के धर्मनिरपेक्ष प्रावधान के तहत मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण मिलने का विवादास्पद मुद्दा 1985 में राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गया था, जब मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम मामले में संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था कि मुस्लिम महिलाएं भी भरण-पोषण पाने की हकदार हैं।

रेखा ने आपातकाल के दिनों (1975-77) का जिक्र करते हुए कहा, ''एक समय था जब पूरा देश एक बड़ी जेल में तब्दील हो गया था। किसी को भी, कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता था। सभी विपक्षी नेता सलाखों के पीछे थे।'' उन्होंने कहा, ''कुछ लोग पूछते हैं कि हम हर 25 जून को आपातकाल को क्यों याद करते हैं। यह 'रामलीला' की तरह है, जो हमें रावण न बनने की याद दिलाने के लिए हर साल की जाती है। हम आपातकाल को यह सुनिश्चित करने के लिए याद करते हैं कि कोई भी नेता या सरकार इसे दोहराने की हिम्मत न करे।''

अंबेडकर ने कभी भी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का समर्थन नहीं किया : सीजेआई गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने शनिवार को कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश को एकजुट रखने के लिए एक ही संविधान रखे जाने की पैरोकारी की थी और कभी भी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का समर्थन नहीं किया।

यहां संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के अवसर पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखते हुए उच्चतम न्यायालय ने एक संविधान के तहत अखंड भारत के डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली है। प्रधान न्यायाधीश गवई तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखा था। उन्होंने मराठी में कहा, जब अनुच्छेद 370 को चुनौती दी गई थी, यह हमारे समक्ष आया था और जब सुनवाई जारी थी तो मुझे डॉ. अंबेडकर के शब्द याद आए कि एक देश के लिए एक ही संविधान उपयुक्त है...अगर हम देश को एकजुट रखना चाहते हैं तो हमें केवल संविधान की आवश्यकता है। केंद्र ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। कार्यक्रम में, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि प्रधान न्यायाधीश गवई ने संविधान प्रस्तावना पार्क का उद्घाटन किया और डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भाषा विवाद भड़काया जा रहा है : पृथ्वीराज चव्हाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने आरोप लगाया है कि मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए महाराष्ट्र में हिंदी भाषा 'थोपने' को लेकर विवाद भड़काया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित किया।

शिक्षा के लिए बजट आवंटन में भारी कटौती का दावा करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और शैक्षणिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

चव्हाण ने शुक्रवार को कोल्हापुर में संवाददाताओं से कहा, ''शिक्षा पर बजटीय आवंटन बढ़ाया जाना चाहिए। अंग्रेजी और हिंदी थोपने पर विवाद अप्रासंगिक हैं और मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए ऐसा किया जा रहा है।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि महाराष्ट्र में आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) में शिक्षकों के 41 प्रतिशत पद खाली हैं। उन्होंने कहा, ''इसी तरह, कृषि विश्वविद्यालयों में 70 प्रतिशत रिक्तियां नहीं भरी गई हैं।''

भाषा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक संशोधित आदेश जारी किया जिसमें कहा गया कि हिंदी को कक्षा एक से पांच तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में छात्रों को ''सामान्य तौर पर'' तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। हालांकि हिंदी का विकल्प बाध्यकारी नहीं है।

विपक्षी दलों ने इस कदम को तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को थोपना करार दिया है।

मराठी भाषा के नाम पर उपजे इस विवाद ने राजनीतिक रूप से अलग हो चुके चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे को एकजुट कर दिया है। शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पांच जुलाई को मुंबई में एक संयुक्त मोर्चा निकालेंगे। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने विरोध मार्च को अपना समर्थन दिया है।

निजी निवेश सुस्त, मोदी सरकार की नीतियों का परिणाम: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि अर्थव्यवस्था आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रही और निजी कॉरपोरेट निवेश लगातार सुस्त बना हुआ है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि निवेश में यह जड़ता मोदी सरकार की दबाव और दमन वाली नीतियों का परिणाम है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत की अर्थव्यवस्था जिद पर अड़ी है, वह आगे बढ़ने का नाम ही नहीं ले रही, जबकि तेज आर्थिक वृद्धि न सिर्फ जरूरी है, बल्कि पूरी तरह संभव भी है। इस विफलता की सबसे अहम वजह यह है कि सितंबर 2019 में बड़ी कर कटौती और पीएलआई कैश हैंडआउट के बावजूद निजी कॉरपोरेट निवेश लगातार सुस्त बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के ही एक सर्वेक्षण में संकेत दिया गया है कि 2025-26 में निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में करीब 25 प्रतिशत तक कम हो सकता है। उन्होंने कहा, विशेषज्ञों का कहना है कि बैंक कर्ज देने को तैयार हैं, लेकिन कंपनियां निवेश के लिए कर्ज लेने से हिचक रही हैं, क्योंकि मौजूदा माहौल को विस्तार के अनुकूल नहीं माना जा रहा। रमेश ने दावा किया, मांग में वृद्धि ही निवेश को बढ़ावा देती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं हैं, लेकिन भारत में मांग की कमी के तीन स्पष्ट कारण हैं -मजदूरी में ठहराव, विकृत जीएसटी ढांचा और बढ़ती आर्थिक असमानता। उनके अनुसार, जब उपभोग खुद नीचे जा रहा हो, तो कंपनियों के पास उत्पादन क्षमता बढ़ाने का कोई ठोस कारण नहीं होता।

ट्रंप के व्यापार समझौते संबंधी दावे पर सरकार विपक्षी नेताओं को विश्वास में ले : आनंद शर्मा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा है कि सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर स्पष्टीकरण देने के साथ विपक्षी नेताओं को विश्वास में लेना चाहिए कि भारत के साथ एक ''बहुत बड़ा'' व्यापार समझौता होने वाला है। पूर्व वाणिज्य मंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पारस्परिक रूप से फायदेमंद होना चाहिए न कि दबाव में कम होना चाहिए।

ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में आयोजित 'बिग ब्यूटीफुल बिल' कार्यक्रम में कहा, '' हमारे पास कुछ बेहतरीन समझौते हैं। हम एक और समझौता करने जा रहे हैं, संभवत: भारत के साथ। बहुत बड़ा। हम भारत के लिए रास्ते खोलने जा रहे हैं।'' कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रस्तावित व्यापार समझौते में भारतीय टैरिफ रियायतों और भारत के लिए रास्ते खोलने के राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को सरकार द्वारा स्पष्ट करने की जरूरत है और विपक्षी दलों के नेतृत्व को विश्वास में लिया जाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जानी चाहिए और उसे नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था को बनाए रखना और मजबूत करना तथा डब्ल्यूटीओ समझौतों का सम्मान करना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत बाजार पहुंच और व्यापार संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए साझेदार देशों और प्रमुख व्यापारिक समूहों और यूरोपीय संघ, आसियान, अफ्रीका संघ, जीसीसी और एलएसी को शामिल करे।

धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत
ईडी ने जम्मू कश्मीर के पटनीटॉप में तीन होटलों को कुर्क किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पटनीटॉप के तीन होटलों और उनकी आय को जांच के तहत धनशोधन निरोधक अधिनियम में कुर्क किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ईडी के अनुसार तीनों संपत्तियों का संचयी मूल्य और उनकी कुल आय 15.78 करोड़ रुपए है।

यह जांच इस पर्यटन स्थल के होटलों, अतिथि गृहों, 'रिसॉर्ट्स' और 'कॉटेज' के मालिकों एवं निदेशकों तथा पटनीटॉप विकास प्राधिकरण (पीडीए) के अधिकारियों के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी पर आधारित है।

आरोप है कि ये लोग आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग, स्वीकृत सीमाओं से अधिक निर्माण तथा घने जंगलों, कृषि क्षेत्रों और आवासीय क्षेत्रों जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में व्यवसाय संचालित करने में लिप्त थे।

ईडी ने एक बयान में कहा कि सीबीआई की शिकायत में कहा गया है कि पीडीए अधिकारियों ने इन 'खामियों' को नजरअंदाज कर दिया।

पटनीटॉप एक हिल स्टेशन है जो उधमपुर से 47 किमी और जम्मू से 112 किमी दूर स्थित है। इस हिल स्टेशन पर साल भर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

ईडी ने कहा कि शुक्रवार को 'होटल पाइन हेरिटेज', 'होटल ड्रीम लैंड' और 'होटल शाही संतूर' के खिलाफ धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अंतरिम आदेश जारी किया गया था, जिसमें उनकी जमीन, भवन और 15.78 करोड़ रुपए की आय को कुर्क करने का आदेश दिया गया था।

ईडी के अनुसार, तीनों होटल पीडीए द्वारा अनुमत क्षेत्र से बाहर बनाए गए थे और उन्होंने 'अवैध' निर्माण किया था।

प्रवर्तन निदेशालय ने इस साल जनवरी में इसी मामले में पटनीटॉप में दो संपत्तियों - 'होटल त्रिनेत्र रिसॉर्ट्स' और 'होटल ग्रीन ऑर्किड'- को कुर्क किया था और कहा था कि उनकी कीमत 14.93 करोड़ रुपए है।

गढ़चिरौली जिला और गोंदिया के चार तालुका अब भी 'नक्सल प्रभावित': सरकार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में पूरा गढ़चिरौली जिला और गोंदिया के चार तालुका अब भी नक्सल प्रभावित हैं। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने पांच महीने पहले गढ़चिरौली के एक हिस्से को माओवादी गतिविधियों से मुक्त घोषित किया था और इस बात पर जोर दिया था कि दक्षिण गढ़चिरौली जल्द ही नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

शुक्रवार को जारी एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) में कहा गया कि गोंदिया जिले के गोंदिया, सालेकसा, देवरी और अर्जुनी मोरगांव तहसील तथा पूरा गढ़चिरौली जिला नक्सल प्रभावित है। इसमें कहा गया है कि यह घोषणा केंद्र सरकार की नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की सूची के आधार पर की गई है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने जनवरी में सी-60 कमांडो का सम्मान करने के बाद कहा था कि माओवादी बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं और अब युवा इसके साथ नहीं जुड़ रहे हैं, इसलिए महाराष्ट्र जल्द ही नक्सल समस्या से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा था, गढ़चिरौली पुलिस ने जिले में नक्सली गतिविधियों को लगभग खत्म कर दिया है। उत्तर गढ़चिरौली अब माओवादी गतिविधियों से मुक्त हो चुका है और दक्षिण गढ़चिरौली भी जल्द ही नक्सली गतिविधियों से मुक्त हो जाएगा।''

कोल्हापुरी चप्पल सवा लाख रुपए में बेच रहा प्राडा, विवाद बढ़ने पर बताई 'प्रेरणा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सस्ती व टिकाऊ और आम लोगों की बरसों से पसंदीदा रही कोल्हापुरी चप्पल अब मिलान में धूम मचा रही है हालांकि हाथ से बनाई जाने वाली चमड़े के इस चप्पल को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है, क्योंकि दिग्गज फैशन डिजाइनर कंपनी प्राडा यह चप्पल सवा लाख रुपए में बेच रही है।

बरसों से भारतीय शिल्प का प्रतीक रही कोल्हापुरी चप्पल की हूबहू नकल कर इटली की बड़ी कंपनी प्राडा ने इसे 'स्प्रिंग/समर 2026' शो में प्रदर्शित किया, जिसके बाद इसका श्रेय दिये जाने को लेकर लोगों के बीच बहस छिड़ गयी। दशकों तक शिल्पकारों के साथ काम करने वाली डिजाइनर और कार्यकर्ता लैला तैयबजी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं इस बात से बेहद व्यथित और निराश हूं कि जिस तरह से प्राडा ने भारतीय और बेहद पारंपरिक चीज को अपना बनाकर पेश किया है और वे भी शिल्पकारों या उस संस्कृति को कोई बिना श्रेय दिये। यह इस बात को दर्शाता है कि कैसे हम भारत में अक्सर अपनी विरासत को कम आंकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम लोग इसे मामूली 'हस्तकला' के रूप में नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि दुनिया इसे विलासिता के रूप में पेश करती है। 'दस्तकार' की अध्यक्ष ने कहा, अब समय आ गया है कि हम स्वीकार करें कि भारत में असाधारण कौशल और ज्ञान प्रणालियां हैं। हमें उन्हें पहचानना चाहिए, उनकी रक्षा करनी चाहिए और गर्व के साथ दुनिया के सामने पेश करना चाहिए, इससे पहले कि दूसरे हमारी पहचान चुरा लें और हमें बेच दें। कई दिनों बाद जब भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ गया तो प्राडा ने स्वीकार किया और कहा कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गयी वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गयी, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है। प्राडा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के ग्रुप हेड लोरेंजो बर्टेली ने 'महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर' के एक पत्र के जवाब में कहा, हम जिम्मेदार डिजाइन तौर तरीकों, सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और भारतीय कारीगर समुदायों के साथ सार्थक आदान-प्रदान के लिए बातचीत शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जैसा कि हमने अतीत में अन्य उत्पादों में किया है ताकि उनके शिल्प की सही पहचान सुनिश्चित हो सके। कोल्हापुरी चप्पलें आमतौर पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में हस्तनिर्मित की जाती हैं, जहां से इन्हें यह नाम भी मिला है।

देश के बाकी हिस्सों की तुलना में पूर्वोत्तर में युवा आबादी अधिक है: संगमा

कोहिमा/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने कहा है कि देश के बाकी हिस्सों की तुलना में पूर्वोत्तर क्षेत्र में युवा आबादी अधिक है। कोहिमा में शुक्रवार को पांचवें क्षेत्रीय कैथोलिक युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगमा ने कहा, पूर्वोत्तर में युवाओं की आबादी भारत के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक है। संगमा ने कहा, यह हमारे युवाओं को न केवल हमारी सबसे बड़ी ताकत बनाता है, बल्कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती भी बनाता है। हम उनका किस प्रकार पोषण करते हैं, यह नगालैंड, मेघालय और पूरे पूर्वोत्तर का भाग्य निर्धारित करेगा। युवाओं के बीच उद्देश्य, लक्ष्य-निर्धारण और उद्यमशीलता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य के बिना, आप अंतहीन काम करते रहेंगे और कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा, आरक्षण ने हमारे युवाओं को आत्मसंतुष्ट बना दिया है। हमें प्रतिस्पर्धा इसलिए नहीं करनी चाहिए कि हमें सीट की गारंटी है, बल्कि इसलिए कि हम इसे योग्यता के आधार पर हासिल कर सकते हैं। संगमा ने युवाओं से स्वयं पर विश्वास करने और उद्यमशीलता को अपनाने का आग्रह किया।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खांडरे ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को उनके कावेरी स्थित आवास पर मुलाकात कर मालेमहदेश्वर वन क्षेत्र में पांच बाघों की मौत और उन्हें जहर दिए जाने की घटना की जानकारी दी।

बाघिन और उसके चार शावकों को जहर देकर मारने के आरोप में तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक के माले महादेश्वर हिल्स के हुग्यम वन क्षेत्र में एक बाघिन और उसके चार शावकों की जहर देकर मारने के आरोप में शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वन विभाग ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि एक व्यक्ति ने बदला लेने की नीयत से ऐसा किया, जिसकी गाय को जंगली जानवरों ने मार डाला था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में माडा उर्फ माडुराजु नामक व्यक्ति भी शामिल है जिसने अपनी मृत गाय के ऊपर जहर छिड़का था और बाद में उसी गाय को खाने के बाद बाघिन तथा उसके शावकों की मौत हो गई। बाघिन और उसके शावक बृहस्पतिवार को मृत अवस्था में मिले थे। जांच में खुलासा हुआ कि उनकी मौत जहर खाने से हुई है जिसके बाद पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया। वन अधिकारियों के अनुसार, माडुराजु अपनी गाय 'केन्ची' के जंगली जानवरों द्वारा मारे जाने से बेहद नाराज था, लिहाजा उसने बदले की भावना से मृत गाय पर जहर छिड़क दिया। माना जा रहा है कि इस कृत्य में उसका मित्र नागराजु भी शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, गाय को मारने वाली बाघिन बाद में अपने शावकों के साथ फिर से उसे खाने के लिए लौटी और जहर खाने के बाद उन सभी की मौत हो गई।

दोनों आरोपियों को चामराजनगर जिले के हनूर तालुक स्थित मीन्यम के 'अरण्य भवन' ले जाया गया है, जहां उनसे पूछताछ जारी है। जांच के दौरान माडुराजु के पिता शिवन्ना ने पुलिस से संपर्क कर दावा किया कि वह बाघिन और शावकों की मौत का जिम्मेदार है। हालांकि, जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उन्हें मारने के लिए उसका बेटा जिम्मेदार है, जिसके बाद शिवन्ना को छोड़ दिया गया। इस घटना को लेकर राज्य में वन्यजीव संरक्षण को लेकर सरकार की लापरवाही पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं।

विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार पर वन्यजीव सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मामले में रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की बात कही है, वहीं राज्य के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में कुल 563 बाघ हैं। मध्यप्रदेश के बाद देश में बाघों की सबसे अधिक संख्या कर्नाटक में हैं।

बाघों की मौत : दोषियों के खिलाफ कार्रवाई

बाघों की मौत के बारे में पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि मामले की जांच की गई है और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संविधान में संशोधन करने वाली कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया : आर अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की कि कांग्रेस पार्टी स्पष्ट करे कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का समर्थन करती है या विरोध करती है। आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे होने पर मैसूर के विजयनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा अगर कांग्रेस नेताओं में संविधान के प्रति जरा भी सम्मान है तो उन्हें लोगों से माफी मांगनी चाहिए। आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को जेल में डाला गया और कई स्वतंत्रता सेनानियों की जेल में ही मौत हो गई। कांग्रेस ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। उन्हें कम से कम यह तो स्पष्ट करना चाहिए कि वे आपातकाल का समर्थन करते हैं या नहीं। इस मुद्दे से बचना ठीक नहीं है। इन 50 सालों में किसी भी कांग्रेस नेता ने यह स्वीकार नहीं किया कि आपातकाल गलत था।

उन्होंने कहा कि जब अदालत ने फैसला सुनाया कि इंदिरा गांधी ने चुनावी धोखाधड़ी की है, जिसके कारण उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई, तो उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना पद बरकरार रखने के लिए आपातकाल लागू कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने ऐसा माहौल बनाया कि भारत इंदिरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब यह स्पष्ट हो गया कि संविधान से ऊपर कुछ भी नहीं है, तो इंदिरा गांधी ने ऐसे कदम उठाए और संविधान में संशोधन भी किया। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेता जेल में थे। मैं भी एक महीने तक बेंगलूरु जेल में रहा। उस समय, इंदिरा कहने पर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया जाता था। उन्होंने मुझे, मेरे भाई और विधायक सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया और पीटा। मैं उस समय कॉलेज का छात्र था। देशभक्त होने का दावा करने वाले मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को इस मुद्दे पर बोलना चाहिए। उन्हें जवाब देना चाहिए कि उस समय तथाकथित प्रगतिशील क्या कर रहे थे। जो लोग स्वतंत्रता के लिए लड़ने का दावा करते हैं, उन्होंने किसी भी संघर्ष में भाग नहीं लिया। उस समय की कांग्रेस आज की कांग्रेस से अलग है, जो एक नकली कांग्रेस है। वे सभी एक परिवार के प्रति वफादार हैं और उस वंश को सलाम करना आज के नेताओं की आदत बन गई है।

प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना

अशोक ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि कांग्रेस सत्ता में होने पर खतरनाक होती है और सत्ता से बाहर होने पर और भी खतरनाक होती है। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तानाशाह कहते हैं, लेकिन आपातकाल कांग्रेस ने ही लगाया था। उन्हें हमें बताना चाहिए कि अब कौन सा अखबार बंद हो गया है, न्यायपालिका पर कहां दबाव डाला गया है या कब चुनाव स्थगित किए गए हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का दावा है कि देश में अघोषित आपातकाल है। किसी ने उनके बच्चों को चुनाव लड़ने से नहीं रोका। किसी ने उन्हें विदेश जाकर देश के बारे में बुरा बोलने से नहीं रोका। आपातकाल के दौरान पुलिस तय करती थी कि कौन से अखबार प्रकाशित होंगे। अब ऐसी कोई स्थिति नहीं है। वे आलोचना करते हैं कि भाजपा संविधान बदल देगी, लेकिन आपातकाल के लिए संविधान में संशोधन कांग्रेस ने ही किया था। वे डॉ. बी.आर. अंबेडकर को अपनी पारिवारिक संपत्ति मानते हैं। जब अंबेडकर की मृत्यु हुई, तो उन्होंने उनके स्मारक के लिए जगह नहीं दी। इंदिरा गांधी के परिवार के सदस्यों की मृत्यु के बाद ही जगह दी गई। जब भाजपा पहली बार सत्ता में आई, तो अंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ये तथ्य लोगों को बताए जाने चाहिए। सितंबर में मुख्यमंत्री की कुर्सी बदल जाएगी और क्रांति होगी, जैसा कि मंत्री खुद कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस एक विभाजित घर है। इस साल का दशहरा समारोह एक नए मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित किया जाएगा।

बांदीपुर बाघ अभयारण्य में बाघिन मृत पाई गई

चामराजनगर। कर्नाटक के बांदीपुर बाघ अभयारण्य के गुंद्रे वन क्षेत्र में एक बाघिन मृत पाई गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वन विभाग के अनुसार, गश्त के दौरान बृहस्पतिवार शाम को वनकर्मियों को बाघिन का शव मिला। इसके बाद शुक्रवार को उसका पोस्टमॉर्टम किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार बाघिन की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए बांदीपुर के वन संरक्षक प्रभाकरण ने कहा कि बाघिन की मौत भूख और आपसी संघर्ष के कारण हुई। बांदीपुर के वन संरक्षक प्रभाकरण ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के हवाले से कहा, ''बाघिन आपसी संघर्ष में घायल हुई थी और फिर शिकार नहीं कर पाने के कारण भूख से मर गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, उसके पेट और आंत में कोई भोजन नहीं पाया गया।''

वन अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 26 जून को माले महादेवेश्वर पहाड़ियों के हुग्यम वन क्षेत्र में एक बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए थे। जांच में सामने आया कि यह घटना एक व्यक्ति द्वारा बदले की भावना से की गई थी, जिसकी गाय को जंगली जानवरों ने मार डाला था। माले महादेवेश्वर की पहाड़ियों में हुई घटना के सिलसिले में शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें मृत गाय का मालिक भी शामिल है।'

तीन निजी कॉलेजों में इंजीनियरिंग की सीट पैसों से खरीदी जा रही : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को आरोप लगाया कि बेंगलूरु के तीन निजी कॉलेजों में 'प्रबंधन कोटा' के तहत छात्रों को दाखिला नकदी सहित धन लेकर ''अपारदर्शी'' तरीके से दिया जा रहा। संघीय जांच एजेंसी का यह बयान 25 और 26 जून को ''सीट घोटाला'' मामले में 17 स्थानों पर छापेमारी किये जाने के बाद आया है।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि छापेमारी बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आकाश इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के परिसरों के साथ-साथ इन संस्थानों से जुड़े लोगों पर की गई। शैक्षिक परामर्श सेवाओं में लगी कुछ संस्थाओं और कुछ निजी एजेंटों के परिसरों में भी छापेमारी की गई।

ईडी को इस छापेमारी में काफी सफलता मिली। मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य डिजिटल डिवाइस मिले, जिन्हें ईडी ने जब्त कर लिया। इसके अलावा कार्रवाई में निजी संस्थानों में कुछ मुख्य कोर्सेज में प्रवेश प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर सीट ब्लॉकिंग और नकदी के इस्तेमाल से जुड़े साक्ष्य सामने आए। दस्तावेजों से पता चला है कि इन कॉलेजों में व्यापक स्तर पर सीट ब्लॉकिंग की जाती थी और नकद पैसे के जरिए एडमिशन कराए जाते थे, खासतौर पर अहम प्रोफेशनल कोर्सेज में। प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने जिन जगहों पर छापे मारे, उनमें बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आकाश इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और इनसे जुड़े लोगों के दफ्तर शामिल थे। साथ ही कुछ एजुकेशन कंसल्टेंसी कंपनियों और निजी एजेंटों के ठिकानों पर भी तलाशी ली गई, जो इस घोटाले से जुड़े हैं। ईडी की जांच में सामने आया कि एजेंट और एजुकेशन कंसल्टेंसी का व्यापक नेटवर्क बना हुआ था, जिसका इस्तेमाल इन संस्थानों में दाखिले के लिए देशभर से छात्रों को लाने के लिए किया जाता था। मैनेजमेंट कोटे की सीटों पर एडमिशन पारदर्शी तरीके से नहीं, बल्कि नकद पैसे और बाहरी दबाव के आधार पर किया जाता था। जांच एजेंसी की हालिया कार्रवाई में अहम सबूतों के अलावा करीब 1.37 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, जो आपराधिक तरीके से कमाई गई थी। ईडी का मामला इन कॉलेजों के खिलाफ केईए (कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण) द्वारा दर्ज कर्नाटक पुलिस की प्राथमिकी से उपजा है। एजेंसी ने कहा कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इन कॉलेजों ने केईए में पंजीकृत छात्रों के लॉगिन 'आईडी-पासवर्ड' हासिल करने के लिए अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलीभगत की और बाद में उन छात्रों के लिए अपने नाम पर सीट ब्लॉक कर दी, जो दाखिला लेने का इरादा नहीं रखते थे। ईडी ने कहा कि तलाशी में निजी संस्थानों में लोकप्रिय व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया में ''व्यापक'' स्तर पर सीट ब्लॉक रखने और नकदी/धन के इस्तेमाल के ''साक्ष्य'' सामने आए। बयान में कहा गया है, एजेंटों, शैक्षिक परामर्श सेवा संस्थाओं का एक व्यापक नेटवर्क है, जिसका इस्तेमाल देश भर से छात्रों को इन संस्थानों में दाखिले के लिए लाने के वास्ते किया जाता है।

तलाशी के दौरान कथित तौर पर कुल 1.37 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। हालांकि, ईडी ने बरामद किये गए धन के स्रोत के बारे में कुछ नहीं बताया।

गरुड़ फोर्स और घातक प्लाटून की मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आतंकवाद के खिलाफ तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम के तौर पर शनिवार को त्रिवेंद्रम ब्रिगेड की कमान के तहत कर्नाटक राज्य पुलिस की गरुड़ फोर्स और भारतीय सेना की 4/8 गोरखा राइफल्स के बीच संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

यह अभ्यास बेंगलूरु क्षेत्र में उच्च सुरक्षा वाले अज्ञात स्थान पर हुआ, जिसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप सख्त गोपनीयता बरती गई। ऐसा पहली बार हुआ, जब दोनों फोर्सेज ने एकीकृत ऑपरेशनल अंब्रेला के अंतर्गत एकसाथ प्रशिक्षण लिया है।

यह ड्रिल बनासवाड़ी सैन्य गैरीसन के गैरीसन कमांडर के तहत पारस्परिक सहायता योजना के भाग के रूप में आयोजित की गई। इसमें राज्य पुलिस, यातायात पुलिस, सिटी एसडब्ल्यूएटी, बम निरोधक दल, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं तथा जिला चिकित्सा स्वास्थ्य दल आदि शामिल थे। इसका मकसद आतंकवादी खतरों, खासकर जटिल शहरी क्षेत्रों के प्रति मल्टी-एजेंसी प्रतिक्रिया को समन्वित और सुसंगत करना था। इस अभ्यास में भाग लेने वाली यूनिट्स के बीच उच्च स्तर का समन्वय और आपसी विश्वास प्रदर्शित हुआ।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सशस्त्र बलों और नागरिक एजेंसियों के बीच उद्देश्य को लेकर ऐसी एकता और समन्वय को देखना उत्साहजनक है। आज का अभ्यास सार्वजनिक सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे का तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए हमारी सामूहिक तत्परता को दर्शाता है।'

केनरा बैंक ने सरकार को दिया 2,283.41 करोड़ रुपये का लाभांश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,283.41 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। यहां एक कार्यक्रम में बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के सत्यनारायण राजू ने लाभांश का चेक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा। उनके साथ बैंक के कार्यकारी निदेशक-हरदीप सिंह अहलूवारिया, भावेंद्र कुमार और एस के मजूमदार भी थे।

केनरा बैंक ने पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के लिए दो रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर चार रुपये प्रति इक्विटी लाभांश की घोषणा की है। पिछले वित्त वर्ष में बैंक का शुद्ध लाभ 16.99 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 17,027 करोड़ रुपये रहा, जो 2023-24 में 14,554 करोड़ रुपये था।

लाभांश भुगतान, केनरा बैंक के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और बहुलांश शेयरधारक भारत सरकार सहित सभी संबंधित पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को बताता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना संख्या एचई-टीआरडी-2025-26-ओटी-09 दिनांक: 24.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
करंजोल, दूधसागर और सोनालियम स्टेशनों पर ओवर एज़्ड सिग्नलिंग इंस्टालेशन की रिप्लेसमेंट के तहत आग्जेलिटी ट्रांसफार्मर का प्रावधान	रू. 7079635.00/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 23.07.2025 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, हुबली

PUB/230/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

बैठक

बेंगलूरु में शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आगामी मैसूर दशहरा 2025 समारोह की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय तैयारी बैठक की अध्यक्षता की।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना संख्या एचई-टीआरडी-2025-26-ओटी-12 दिनांक 24.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
हुबली मंडल में पक्षियों के खतरे से बचाव के लिए ट्रैक्शन स्थापनाओं में हाई डेंसिटी पोलीथाईलीन जाली का प्रावधान और ट्रैक्शन इंस्टालेशन संरचनाओं के ऊपर बंदर चढ़ने से रोकने के लिए बारबर्ड वायर की व्यवस्था।	रू. 1,35,47,000.00/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 23.07.2025 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/ट्रैक्शन वितरण, हुबली

PUB/232/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आरएसएस नेता होसबाले पर साधा निशाना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने संविधान की प्रस्तावना से 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की शनिवार को आलोचना की।

सिद्दरामय्या ने संविधान में संशोधन के होसबाले के आह्वान पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''आरएसएस मनुस्मृति में विश्वास करता है। उनका भारतीय संविधान के प्रति कोई सम्मान नहीं है और लोकतंत्र में कोई आस्था नहीं है।'' वे शनिवार को विधान सौधा सम्मेलन हॉल में आयोजित मैसूर दशहरा उच्च स्तरीय समिति की बैठक के बाद मीडिया सम्मेलन में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''उनकी मानसिकता संविधान बदलने और देश में मनुस्मृति थोपने की है। इसके अलावा वे और क्या कह सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर की अध्यक्षता वाली समिति ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया था, जिसे बाद में विस्तृत चर्चा के बाद संविधान सभा ने स्वीकार कर लिया था।

'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने के आह्वान के बारे में सिद्दरामय्या ने कहा, ''ये शब्द संसद में चर्चा के बाद संविधान में डाले गए थे। होसबाले की इच्छा के अनुसार संविधान में संशोधन नहीं किया जा सकता।''

आपातकाल पर बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा था, बाबासाहेब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उसकी प्रस्तावना में ये शब्द नहीं थे। आपातकाल के दौरान जब मौलिक अधिकार निलंबित कर दिये गए, ''संसद काम नहीं कर रही थी, तभी ये शब्द जोड़े गए थे।'' उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर बाद में चर्चा हुई लेकिन प्रस्तावना से उन्हें हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। होसबोले ने कहा था, ''इसलिए उन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए।''

भारतीय ब्रांड में खाद्य, पेय पदार्थ श्रेणी में नंदिनी का चौथा स्थान कायम

बेंगलूरु। कर्नाटक दुग्ध संघ (केएमएफ) के ब्रांड नंदिनी ने भारत में अग्रणी ब्रांडों के साथ खाद्य और पेय पदार्थ श्रेणी में चौथा स्थान बरकरार रखा है। दुनिया की अग्रणी ब्रांड मूल्यांकन परामर्श कंपनी ब्रांड फाइनेंस' ने 2025 के लिए जारी रैंकिंग में यह कहा है। लंदन में मुख्यालय और 25 से अधिक देशों में परिचालन करने वाला 'ब्रांड फाइनेंस' सालाना 6,000 से अधिक ब्रांड का मूल्यांकन करता है। इसे मूल बाजार अनुसंधान और 100 से अधिक क्षेत्र-विशिष्ट रिपोर्टों से समर्थन मिला है। केएमएफ ने बयान में कहा, नंदिनी ने उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है, जो शीर्ष 100 सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांडों में 2024 में 43वें स्थान से 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गई है। ब्रांड का मूल्यांकन बढ़कर 107.9 करोड़ डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.9 करोड़ डॉलर की वृद्धि है। केएमएफ के अनुसार, खाद्य और पेय पदार्थ श्रेणी में, नंदिनी ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। इस रैंकिंग में पहले स्थान पर अमूल, दूसरे पर मदर डेयरी, तीसरे पर ब्रिटानिया और पांचवें स्थान पर डाबर है। बयान में कहा गया कि नंदिनी का निरंतर प्रदर्शन और मूल्यांकन में वृद्धि इसकी बढ़ती ब्रांड इक्विटी और दक्षिण भारत तथा अन्य स्थानों पर उपभोक्ताओं के बीच इसके विश्वास को रेखांकित करती है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

आवेदन अधिसूचना संख्या: 210/Halts/DBS Halt/2025/SBC Division
दिनांक: 19.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी, डाबसपेट (डीबीएस) ट्रेन हॉल्ट स्टेशन में और उसके आसपास रहने वाले शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों से पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए या स्टेशन के उन्नयन तक, जो भी पहले हो, कमीशन के आधार पर अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति के लिए सीलबंद आवेदन आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	स्टेशन	विभाग	कार्य आरंभ करने की तिथि
1	डाबसपेट (डीबीएस)	यशवंतपुर	प्रशासन द्वारा तिथि अधिसूचित की जाएगी।

आवेदन देने के लिए तारीख और समय: 14.07.2025, 10:00 बजे से 16:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
बेंगलूरु

PUB/223/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

झालावाड़ में एसीबी अधिकारी से लाखों की संदिग्ध राशि बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अपने ही विभाग के झालावाड़ में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा से नौ लाख 35 हजार रुपये की संदिग्ध राशि बरामद की है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक डा. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एसीबी की झालावाड़ चौकी में पदस्थापित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा अवैध वसूली कर रहे हैं। जगराम द्वारा एसीबी की झालावाड़ चौकी में पदस्थापित होते ही झालावाड़ जिले के सरकारी कार्यालयों में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अवैध वसूली करके उन्हें भ्रष्टाचार करने की खुली छूट मुहैया कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि मुखबिरों ने बताया कि जगराम मीणा प्रत्येक शुक्रवार को झालावाड़ में सरकारी कार्यालयों से मासिक बंधी एवं सुविधा शुल्क वसूल करके अपनी कार से जयपुर आते हैं। इस पर जगराम मीणा पर दो महीने तक निगाह रखी गयी। एक बार उसे मय राशि दबोंचने की कोशिश भी की गयी लेकिन वह जाल में नहीं फंसे। डा. मेहरड़ा ने बताया कि 27 जून को गोपनीय सूचना मिली कि जगराम मीणा सरकारी कार्यालयों अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मोटी राशि वसूल करके अपनी कार में रखकर झालावाड़ से जयपुर आ रहे हैं। इस पर ब्यूरो ने जाल बिछाया और एसीबी में पुलिस निरीक्षक अर्चना मीणा ने शिवदावपुरा में बरखेड़ा टोल प्लाजा पर जगराम मीणा की कार रुकवा ली।

कार की तलाशी ली गयी तो उसमें अलग प्लास्टिक के लिफाफों में कुल नौ लाख 35 हजार रुपये बरामद हुए।

इस राशि के बारे में जगराम मीणा संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्होंने बताया कि इसके बाद जगराम मीणा के जयपुर में जगतपुरा में स्थित उनके निवास स्थान की तलाशी ली गयी तो वहां 39 लाख 50 हजार रुपये बरामद हुए। इसके अलावा एक फ्लैट के कागजात एवं 85 बोतलें अंग्रेजी शराब की भी मिली। इसका अलग से मामला दर्ज किया जा रहा है।

दौसा में कैंटर से टकराई कार, चार लोगों की मौत

दौसा/दक्षिण भारत।राजस्थान में दौसा के कोतवाली थाना क्षेत्र में कार और कैंटर की टक्कर में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि हरियाणा में रोहतक के चार लोग कार से राजस्थान में मेहंदीपुर बालाजी जा रहे थे। शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे दौसा में कलेक्ट्रेट चौराहे पर अचानक कार से आगे जा रहे कैंटर ने अचानक ब्रेक लगाये और कार टैंकर के पीछे घुस गयी। जिससे कार में बैठे चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और कार में सवार दीपांशु, उसकी बहन साक्षी, उसकी मां प्रमिला और एक अन्य राजबाला को कार से निकालकर दौसा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

सरिस्का ही ऐसा क्षेत्र है जिसका पूरे देश में नाम : टीकाराम जूली

अलवर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने सरिस्का के महत्वपूर्ण बाघ आवास (सीटीएच) के मुद्दे पर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि अलवर में सरिस्का ही एक ऐसा क्षेत्र बचा है जिसका पूरे देश में नाम है। जूली ने शनिवार को यहां कहा कि अलवर की आर्थिक स्थिति सरिस्का के पर्यटन से ही चलेगी। सीटीएच क्षेत्र में संभावित परिवर्तन करने की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जिस क्षेत्र में बाघ सुरक्षित हैं, उसे खान मालिकों को फायदा पहुंचाने के लिये बड़े स्तर पर हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिधर आबादी क्षेत्र है, उस तरफ बाघ आवास क्षेत्र बढ़ाया जा रहा है।

जिससे बाघ और जनता के बीच संघर्ष बढ़ेगा। जिससे दोनों के जीवन को खतरा होगा। जूली ने कहा कि दोनों वन मंत्री अलवर के हैं। सरिस्का को विकसित किया जाना चाहिए जो नहीं किया जा रहा है बल्कि उसे बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई और जैसलमेर में 68.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक अलवर में 27.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि जोधपुर में 18.6 मिमी, सीकर में 18 मिमी और कोटा में 9.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को श्रीगंगानगर 39.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जबकि सिरोही में सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 23 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

शुक्रवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों में बांसवाड़ा जिले के सज्ज्ञनगढ़ में सबसे अधिक 130 मिमी बारिश हुई। इसके बाद जयपुर के बस्सी, बांसवाड़ा के सल्लावपाट और डूंगरपुर के वेजा में 110 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा डूंगरपुर के सागवाड़ा में 100 मिमी बारिश हुई। इस अवधि के दौरान राज्य भर में कई स्थानों पर 10 से 90 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई।

जयपुर में शनिवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भारतीय शास्त्रीय संगीत के वीणा वादक पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित पंडित विश्व मोहन भट्ट एवं उनके सुपुत्र संगीतकार सलिल भट्ट से आज सचिवालय में शिष्टाचार भेंट की।

भामाशाह, शिक्षाविद् और प्रेरक शिक्षा की त्रिवेणी : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को सिर्फ शिक्षा प्रदान करना ही नहीं बल्कि इसके माध्यम से उनके जीवन में मूल्यों, नैतिकता और संस्कारों का समावेश कर आदर्श नागरिक बनाना बताते हुए कहा है कि प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में भामाशाहों, शिक्षाविदों एवं प्रेरकों की त्रिवेणी अहम भूमिका निभा रही है। शर्मा शनिवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में आयोजित 29वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इनसे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य लोग भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की रक्षा के लिए अपनी समस्त संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित करने वाले भामाशाह का नाम हमारे हृदय में गर्व और सम्मान का भाव जगाता है। आज भी आवश्यकता पड़ने पर समाज के लिए भामाशाह आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि समभाव, समानता तथा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का दृष्टिकोण प्रदेश की मिट्टी में विद्यमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दान का विशेष महत्व है। प्राचीन काल से ही हमारे शास्त्रों में दान को पुण्य का कार्य माना गया है।

उन्होंने कहा कि भगवद गीता में कहा गया है कि बिना किसी अपेक्षा के दिया गया दान सबसे उत्तम होता है। भामाशाह भी इसी भावना के साथ विद्यालयों में आर्थिक सहयोग दे रहे हैं। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए हमारी सरकार सभी राजकीय विद्यालयों के संस्थागत ढांचे को सुविधायुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में हर बच्चे को सुलभ, आधुनिक और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। बच्चों को डिजिटल शिक्षा देने के लिए लगभग 14 हजार राजकीय विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित की गई हैं। साथ ही, 13 हजार राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास-रूम शुरू किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि हमने 402 पीएम विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं शुरू की हैं जो बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर ही मजबूत आधार प्रदान कर रही हैं। साथ ही, स्वामी विवेकानंद विद्यालयों में भी पहली बार प्राथमिक कक्षाओं की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा से बेटियों को सशक्त बनाने को अपनी प्राथमिकता माना है। इसी दिशा में 2 लाख 27 हजार बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार और बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत 90 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को पंख देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल की तुलना में शिक्षा के क्षेत्र में योजनाओं को धरातल पर उतारने में अधिक गंभीरता के साथ काम किया है।

उन्होंने कहा कि हमने साढ़े दस लाख साइकिलें बांटीं जबकि पिछली सरकार ने 18 महीनों में साढ़े तीन लाख और पांच वर्षों में 10 लाख 36 हजार साइकिलों का ही वितरण किया। कौशल प्रशिक्षण में हमने तीन लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जबकि पिछली सरकार सरकार ने पांच वर्षों में 2 लाख 35 हजार को ही प्रशिक्षण दिया। छात्रा स्कूटी वितरण योजना में हमारी सरकार ने करीब 30 हजार स्कूटी बांटीं जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने 18 महीनों में 6 हजार 400 और 5 वर्षों में करीब 21 हजार स्कूटी बांटीं। टैबलेट- लैपटॉप वितरण में हमने 88 हजार से अधिक विद्यार्थियों को लाभ दिया है।

शर्मा ने कहा कि सभी भामाशाह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का नेक एवं सराहनीय कार्य कर रहे हैं। विद्यालयों के निर्माण, पुनर्निर्माण और बच्चों को आधुनिक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने जैसे कार्यों में उन्होंने अपना धन लगाया है। उन्होंने कहा कि भामाशाह केवल इमारतें नहीं बनवा रहे, बल्कि हमारे बच्चों के सपनों को भी एक नई उड़ान दे रहे हैं। भामाशाह स्वयं से ऊपर उठकर अपने समाज, क्षेत्र और राष्ट्र के विकास की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। साथ ही, प्रेरक भी इन्हें शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रेरित करने का प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं।

अब पर्यटन विकास में भी सहायक बन रहा सहकार : गौतम दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2025 को सहकारिता वर्ष घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग सहकार से समृद्धि के ध्येय पर चलते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहा है। इसी कड़ी में उदयपुर में पर्यटन विकास में सहयोग तथा पर्यटकों को विश्वसनीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग की ओर से बाइक ऑन रेंट सेवा को-ऑप राइड की शुरूआत की।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने शनिवार को उदयपुर के सेक्टर 14 में प्रदेश में सहकारिता की ओर से पहली बाइक ऑन रेंट सेवा का शुभारंभ किया। को-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट सेवा को हरी झण्डी दिखाते हुए सहकारिता मंत्री दक ने कहा कि को-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट सेवा शहरवासियों एवं पर्यटकों के लिए एक किफायती परिवहन विकल्प प्रदान करेगी। यह सेवा खासकर युवाओं, छात्रों, पर्यटकों और दैनिक यात्रियों के लिए लाभकारी होगी। नवाचार के रूप में यह सेवा राजस्थान में सहकारिता क्षेत्र में प्रथम बार उदयपुर भण्डार द्वारा प्रारम्भ की गई है।

मंत्री दक ने उदयपुर के हिरण मगरी सेक्टर 14 में उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भंडार लिमिटेड के नवीन सहकारी सुपरमार्केट का भी लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उपभोक्ता भण्डार का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है, यह कार्य उदयपुर भण्डार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के अपने नवीन सुपरमार्केट प्रारम्भ कर किया जा रहा है।

उन्होंने उदयपुर भण्डार को सहकारिता के माध्यम से लाभदायिकता के साथ उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए कहा। भण्डार प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार श्रीमती गुंजन चौबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भण्डार में उपभोक्ताओं के लिए चल रही विभिन्न सुविधाओं एवं स्कीमों की जानकारी प्रदान की गई।

भण्डार महाप्रबंधक डॉ प्रमोद कुमार द्वारा बताया कि नवीन सहकारी सुपरमार्केट सेक्टर नंबर 14 का शुभारम्भ आम जनता को उचित दर पर गुणवत्तायुक्त सामग्री उपलब्ध कराने के लिए किया गया है एवं को-ऑप राइड/बाइक ऑन रेंट सेवा पर्यटकों एवं आम जन को किफायती दर पर उपलब्ध करवायी जावेगी। महाप्रबंधक ने बताया की राज्य सरकार की बजट घोषणा की पालना में उपभोक्ताओं को मोटा अनाज (मिलेट्स फुड) उपलब्ध कराने हेतु नवीन सुपरमार्केट में अलग से काउंटर लगाया गया है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ ही जल संरक्षण वर्तमान समय की महत्ती आवश्यकता : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शनिवार को अलवर जिले के रोटरी क्लब अलवर फोर्ट द्वारा जल संचय संकल्प अभियान के अंतर्गत आदर्श विद्या मंदिर स्कूल स्कीम 4 में भामाशाह गोपी साधवानी के सहयोग से निर्मित वाटर हार्वेस्टिंग कार्य का शुभारम्भ किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने संबोधन देते हुए कहा कि बूंद-बूंद जल का संरक्षण आज के समय की महत्ती आवश्यकता है, इस दिशा में शहर में जल संरक्षण हेतु रोटरी क्लब अलवर फोर्ट द्वारा पिछले 8 वर्षों से उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक स्रोतों के दोहन से प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न हो गया है, जिसकी वजह से पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव के प्रयासों से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चार राज्यों में फैली अरावली पर्वत श्रंखला का संरक्षण कर उसे हराभरा बनाने का कार्य किया जा रहा है, इससे अरावली पर्वत श्रृंखला से निकलने वाली नदियां भी पुनर्जीवित होगी।

मंत्री शर्मा ने अलवर शहर में जल संरक्षण के लिए किया जा रहे कार्यों की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष सहयोग से नटनी के बारां से जयसमंद बांध तक 40 करोड रुपए की लागत से नहर का पुनरुद्धार कार्य एवं 8 करोड रुपए की लागत से भाखेड़ा एनीकट का जीर्णाद्धार कार्य किया जाएगा, जिससे बड़ी मात्रा में वर्षा जल को संरक्षित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाला किला क्षेत्र में तोपवाले हनुमान जी के पास नगर विकास न्यास द्वारा 27.50 लाख रुपए की लागत से माटिया कुंड तथा लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से प्रतापबंध के पास जोहड़ी, भुरासिद्ध में एनीकट एवं अखैपुरा में जरख वाला नाला पर एनीकट निर्माण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खुदनपुरी के जोहड का जीर्णाद्धार कार्य किया जा रहा है, साथ ही लड्डूखास की बगीची को अतिक्रमण मुक्त कर नगर निगम के माध्यम से निर्मित जोहड में पहली वर्षा में पानी की आवक भी हुई है।

हमारा प्रयास है कि शहर के आसपास के सभी जोहड, पोखर व बावड़ियों का जीर्णाद्धार कर जल संरक्षण का कार्य करें, वहीं विजयनगर व बुद्ध विहार आदि क्षेत्रों में भी पुराने कुओं में यूआईटी के माध्यम से जल संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष सहयोग से गत बजट में स्वीकृत 5 करोड़ की राशि से 35 ट्यूबवेल आवंटित हुए तथा इसके अतिरिक्त जलदाय विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के सहयोग से 71 नए ट्यूबवेल एवं 82 ड्राई ट्यूबवेल को पुनरू गहरा करने के लिए बजट का आवंटन किया गया, जिससे शहर में पानी की समस्या से काफी हद तक निजात मिली।

गहलोत मुझे बदनाम करने में बुरी तरह नाकाम रहे : शेखावत

जोधपुर/दक्षिण भारत । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता अपने बेटे का राजनीतिक करियर बनाने के लिए 'संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी' मामले में उनका नाम घसीटकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश में बुरी तरह नाकाम रहे। शेखावत ने 'एक्स' पर कहा कि यहां तक ङ्कङ्कि उच्च न्यायालय ने भी उन्हें दोषी नहीं पाया और गहलोत खुद अच्छी तरह जानते हैं कि वह निर्दोष हैं। गहलोत पिछले चार दिनों से जोधपुर में थे और उन्होंने शेखावत से 'संजीवनी को-ऑपरेटिव सोसाइटी' घोटाले की जांच करने का आह्वान किया था, जिसके बाद केंद्रीय मंत्री की यह प्रतिक्रिया आई है। शेखावत जोधपुर से लोकसभा सदस्य हैं।

गहलोत ने कहा था, वह (शेखावत) सरकार का हिस्सा हैं और केंद्र में कैबिनेट मंत्री हैं। उन्हें आगे आना चाहिए और हम सभी को इस बारे में बात करनी चाहिए। अगर वह निर्दोष हैं, जैसा कि उन्होंने दावा किया है, तो हमें खुशी होगी। उन्होंने कहा था कि अच्छे मुनाफे की उम्मीद में अपना पैसा जमा करने वाले कई लोग लंबे समय से परेशान हैं। गहलोत ने कहा, मेरा उद्देश्य किसी को निशाना बनाना नहीं है। मेरी चिंता केवल यह है कि कैसे उनके मुद्दे को हल किया जाए और जो लोग परेशानी में हैं, उन्हें राहत कैसे दी जाए।अगर मेरा नाम जपने और मेरा पुतला जलाने से आपको भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत के कारण अप्रासंगिक हो चुकी अपनी पार्टी (कांग्रेस) में कुछ प्रासंगिकता हासिल करने में मदद मिलती है, तो मैं इसे भी आपका एक और उपकार मानूंगा।

12 हजार स्कूटियां बांटेंगे, गुरुकुल योजना पूरे साल चलेगी : भड़ाना

जयपुर/दक्षिण भारत। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना ने अपने कार्यकाल के एक साल पूरा होने के मौके पर एमबीसी वर्ग के लिए किए गए कार्यों की मीडिया से बाचतीत करते हुए जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व गहलोत सरकार में वर्ग को केवल गुमराह किया गया। युवाओं को छात्रावासों में रहने के उनके अधिकार तक से वंचित रखा। यहीं नहीं एमबीसी वर्ग की छात्राओं को स्कूटियां तक नहीं बांटी गई। अब उनके समय की लंबित स्कूटियां भी बोर्ड के प्रयास से बांटी जाएगी। आगामी दिनों में एमबीसी वर्ग और कालीबाई योजना के तहत 12 हजार स्कूटियों का वितरण किया जाएगा। कहा कि गुरुकुल योजना में 500 एमबीसी वर्ग को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने के लिए 5 हजार रुपए प्रति छात्र दिए जाते हैं। मैंने खुद योजना से जुड़े 52 में से 22 स्कूलों का निरीक्षण किया, लेकिन यहां बच्चों को सालभर योजना का फायदा पूर्व सरकार ने नहीं दिया। अनियमितताएं हुई।

साल में एक माह ही बच्चों को फायदा मिला। 12 ऐसे स्कूल अब ब्लैकलिस्टेड कर 16 नए मापदंड पर खरे उतरने वाले स्कूलों को जोड़ा गया। अब पूरे साल योजना का संचालन होगा। पूर्व सरकार में देवनारायण बोर्ड योजना में संचालित छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों में घोर अव्यवस्थाएं थी। जर्जर छात्रावासों के रखरखाव के लिए अब सीएम ने बजट में 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की गई है। 82 छात्रावासों में एमबीसी वर्ग के 60 फीसदी सीटों को नहीं भरा जा रहा था। अब हमने तय किया है कि इन सीटों पर वर्ग के छात्र ही प्रवेश ले सकेंगे। कांग्रेस के वक्त 44 छात्रावासों में स्थाई वॉर्डन नहीं थे। अब विभाग से 20 में स्थाई लगवाए गए हैं। 24 में भी जल्द वॉर्डन मिलेंगे। छात्रावासों में प्रति व्यक्ति पहले 3 हजार रुपए दिए जाते थे, अब 3250 रुपए किए गए हैं ताकि उन्हें अच्छा भोजन मिल सके।

तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी कन्हैयालाल हत्या काण्ड मामले में नहीं मिल सका न्याय : गहलोत

जोधपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उदयपुर के कन्हैया लाल हत्या काण्ड मामले का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह बेहद दुख का विषय है कि तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी न्याय नहीं मिल सका है। गहलोत ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कन्हैयालाल साहू की तीसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुख का विषय है कि तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी कन्हैयालाल एवं उनके परिवार को न्याय नहीं मिल सका है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस मामले का राजनीतिक इस्तेमाल खूब किया पर न्याय के लिए प्रयास नहीं किया जबकि यह एक दम स्पष्ट मामला है जिसमें पूरा क्राइम और उसका कबूलनामा तक वीडियो पर रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान की मामलों में बेहद कम समय में अदालत के माध्यम से त्वरित न्याय दिया गया। इस मामले में भी केवल चार घंटे में आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया। उसी रात एनआईए ने केस ले लिया और आज तक न्याय का इंतजार है। गहलोत ने कहा कि यह केन्द्र सरकार और एनआईए की असफलता है कि तीन साल होने को बाद भी 166 में से 6 गवाहों की गवाही हो सकी है। इस जघन्य मामले में भी कोई विशेष अदालत या फास्ट ट्रैक अदालत नहीं बनाई गई। वर्तमान में तो सीबीआई कोर्ट के अतिरिक्त प्रभार पर यह मामला चल रहा है।

रथ यात्रा में परिवार समेत शामिल हुए गौतम अदाणी

पुरी/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके परिवार के सदस्य शनिवार को यहां रथ यात्रा में शामिल हुए और पूजा-अर्चना की।

पत्नी प्रीति, बेटे करण और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अदाणी ने गुंडिचा मंदिर के पास भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथों के सामने खड़े होकर पूजा-अर्चना की। गुंडिचा मंदिर को देवताओं की मौसी का घर माना जाता है। अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, भगवान श्री जगन्नाथ जी की कृपा से हमें पुरी धाम की पवित्र रथ यात्रा में सेवा करने का अवसर मिला है। आज से शुरू हो रही यह दिव्य यात्रा वह क्षण है जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर उन्हें अपने दिव्य दर्शन देते हैं। उन्होंने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे। मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है, और सेवा ही आध्यात्मिक साधना है। जय जगन्नाथ! प्रशासन और सेवादारों ने उद्योगपति का स्वागत किया और उन्हें 'पट्टा वस्त्र' और फूल भेंट किए।

रिलायंस ने पुरी रथ यात्रा में 'अन्न सेवा' की पेशकश की

पुरी/भाषा। प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान लाखों लोगों की सेवा करने के बाद, रिलायंस ने ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भक्तों के अनुभव को समृद्ध करने के लिए बहुआयामी प्रयास शुरू किए हैं। व्यापारिक समूह ने एक बयान में यह जानकारी दी। शुक्रवार को रथ यात्रा के पहले दिन, कंपनी ने अपनी 'अन्न सेवा' के माध्यम से लगभग एक लाख भक्तों को भोजन वितरित किया। यह सेवा आठ जुलाई को 'नालाद्री बिजे' तक जारी रहेगी, जिस दिन भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन 12वीं शताब्दी के मंदिर में वापस आएंगे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने पुरी जिला प्रशासन के साथ मिलकर आगंतुकों को सुरक्षित, आरामदायक और समृद्ध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रयासों की एक व्यापक शृंखला पेश की है। वार्षिक रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु आते हैं जो जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य शोभायात्रा देखने के लिए एकत्रित होते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक अनंत एम अंबानी ने बयान में कहा, सेवा, रिलायंस के 'वी केयर' दर्शन में गहराई से निहित है और पुरी में भक्तों की सेवा करने का अवसर वास्तव में एक आशीर्वाद है। हमारा मानना है कि रथ यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों और कर्मियों की सेवा करके हम ईश्वर की सेवा कर रहे हैं। 'अन्न सेवा' के अलावा, रिलायंस ने खाद्य स्टालों पर संपर्क रहित सैनिटाइजर भी लगाए हैं, नगर पालिका के सहयोग से सफाई के लिए कचरा बैग की आपूर्ति की है और पुलिस शिविरों में स्वच्छता सुविधाएं प्रदान की हैं। समूह ने तीर्थयात्रियों को गर्मी से बचने में मदद करने के लिए 1.5 लाख से अधिक पर्यावरण अनुकूल हाथ पंखे भी वितरित किए।

संभल में अतिक्रमण के घेरे में आई दुकानों को लोगों ने स्वतः ध्वस्त करना शुरू किया

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बहजोई मार्ग पर स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़क पर अतिक्रमण कर बनाई गईं 22 दुकानों-भवनों को प्रशासन का नोटिस मिलने के बाद इसके मालिकों ने स्वत: ही उन्हें ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। अतिक्रमण हटाने वाले लोगों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक जिला मंत्री भी शामिल हैं। संभल तहसील के हयात नगर-बहजोई मार्ग पर स्थित पीडब्ल्यूडी की सड़क पर अवैध रूप से बनी 22 दुकानों और भवनों को नोटिस जारी कर प्रशासन ने ध्वस्त करने के निर्देश दिए थे।

प्रशासन के आदेश के बाद यहां कई लोगों ने अपनी दुकानों और भवनों को तोड़ने का काम शुरू कर दिया है। भाजपा के जिला मंत्री जय प्रकाश गुप्ता ने भी मजदूरों को लगाकर 70 साल पुरानी अपनी पांच दुकानों पर हथौड़ा चलाकर उसे ध्वस्त किया है। गुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार की तरफ से नोटिस मिला, जिसका पालन करते हुए अपनी 70 साल पुरानी पैतृक दुकानों को मजदूर लगाकर तोड़ा है।

उन्होंने कहा कि दुकानों को नौ फुट तक तोड़ने के आदेश थे, जिसे स्वेच्छा से साढ़े नौ फुट तोड़ कर सरकार के आदेश का पालन किया है। आज ध्वस्तीकरण का कार्य पूरा कर दिया। संभल प्रशासन ने बीते दिनों बहजोई मार्ग पर लाडम सराय से हयात नगर चामुंडा मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण में बाधा बनी 22 दुकानों और भवनों को चिन्हित करते हुए उन्हें नोटिस देकर खुद तोड़ने के निर्देश दिए थे। साथ ही कहा था कि अगर वह स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाएंगे तो प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ेगी।

हर समस्या पर होगी प्रभावी कार्रवाई

जरूरतमंदों को मिलेगा कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनता दर्शन में आए फरियादियों को भरोसा देते हुए कहा कि हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई होगी और जरूरतमंदों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान एक महिला ने अपनी नन्ही बिटिया के इलाज में मदद और आवास की व्यवस्था करने की गुहार लगाई।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बिटिया को गोद में लेकर बैठी महिला को भरोसा दिया कि बच्ची का अच्छे से अच्छा इलाज सरकार कराएगी और उसके परिवार के लिए आवास की भी व्यवस्था कराई जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश भी दिया। जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

बयान में कहा गया कि जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सभी से उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देश दिया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का वादा भी किया।

हिमंत ने संविधान से 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की हिमायत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' पश्चिमी अवधारणाएं हैं तथा इन शब्दों को संविधान से हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन शब्दों को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया था और इनका भारतीय सभ्यता में कोई स्थान नहीं है।

शर्मा ने कहा, ''मैं पंथनिरपेक्ष कैसे हो सकता हूं? मैं कट्टर हिंदू हूं। मुसलमान व्यक्ति कट्टर मुसलमान होता है। वह पंथनिरपेक्ष कैसे हो सकता है?'' मुख्यमंत्री असम में 'द इमरजेंसी डायरीज: इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर' नामक पुस्तक के विमोचन के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह पुस्तक (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी (जो उस समय आरएसएस के युवा प्रचारक थे) के साथ काम करने वाले सहयोगियों के अनुभवों और अन्य अभिलेखीय सामग्रियों पर आधारित है। पुस्तक 1975-77 के दौरान आपातकाल और इसके 'प्रतिरोध आंदोलन' में मोदी की भूमिका का वर्णन करती है। शर्मा ने कहा कि पंथनिरपेक्षता की भारतीय अवधारणा तटस्थ होने के बारे में नहीं है, बल्कि यह 'सकारात्मक रूप से संबद्ध' होने के बारे में है। उन्होंने कहा कि 'पंथनिरपेक्ष' शब्द उन लोगों द्वारा शामिल किया गया था जो इसे पश्चिमी दृष्टिकोण से देखते हैं, इसलिए इसे प्रस्तावना से हटा दिया जाना चाहिए।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य जुलाई के अंत तक पूरा होने की संभावना : नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को बताया कि मंदिर निर्माण का कार्य अपने अंतिम चरण में है और निर्माण से संबंधित सभी प्रमुख कार्यों के जुलाई के अंत तक पूरा होने की संभावना है। मंदिर निर्माण समिति की बैठक में भाग लेने शनिवार को अयोध्या पहुंचे मिश्र ने संवाददाताओं को बताया कि मंदिर और उसके परकोटे के लिए 14 लाख घन फुट बंसी पहाड़पुर पत्थर की जरूरत थी, जिसमें से 13 लाख घन फुट पत्थर लग चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब केवल एक लाख घन फुट पत्थर ही लगने शेष हैं।

मिश्र ने कहा कि मंदिर के लगभग 800 फुट लंबे निचले चबूतरे के 500 फुट हिस्से पर राम कथा को दर्शाने वाले भित्ति चित्र तैयार हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि आस-पास के घेरे में प्रस्तावित 80 में से 45 कांस्य भित्ति चित्र स्थापित किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा, भारत में पहली बार किसी मंदिर की खिड़कियों में टाइटेनियम धातु का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह अपने आप में अनूठी बात है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि इस धातु की असाधारण मजबूती 1,000 साल से भी ज्यादा समय तक टिकी रह सकती है। उन्होंने कहा, राम मंदिर निर्माण समिति को उम्मीद है कि जुलाई के अंत तक सभी बड़े निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे।

झारखंड: बंद कोयला खानों में मछली पालन से विस्थापित लोगों की आजीविका में सुधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़/भाषा। झारखंड के कोयला खनन क्षेत्र में खनन कंपनियों द्वारा छोड़े गए पानी से भरे गड्ढों को लाभदायक मछली फार्मों में बदला जा रहा है, जिससे विस्थापित समुदायों को आजीविका मिल रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोटीन की कमी दूर हो रही है।

झारखंड में लगभग 1,741 ऐसी बंद कोयला खदानें हैं, जिनमें से कई 1980 के दशक की हैं। कोयला खनन कंपनियों को कानूनन इन खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद करना होता है, लेकिन इसमें महंगी लागतों के कारण कार्यान्वयन खराब रहा है। रामगढ़ जिले में 22 एकड़ के आरा कोयला खदान से संचालित कुजू मछुआरा सहकारी समिति इस परिवर्तन में एक सफल कहानी के रूप में उभरी है। कुजू मछुआरा सहकारी समिति के वर्तमान सचिव शशिकांत महतो ने 2010 में उचित बुनियादी ढांचे के बिना इस पहल की शुरुआत की थी। महतो ने बताया, मैंने बिना किसी पिंजरे के पानी से भरी सुनसान आरा कोयला खदान में मछली पालन शुरू किया। मैंने बेतरतीब ढंग से मछली के बीज डाले और अच्छी उपज की। पहली बार पकड़ी गई 15 किलो की कतला मछली ने उन्हें एक सरकारी 'मेले' में पहला पुरस्कार दिलाया। उन्हें 5,000 रुपए की पुरस्कार राशि के साथ-साथ चार मछली पकड़ने के पिंजरे भी मिले। तब से यह उद्यम तेजी से आगे बढ़ा है। महतो ने 2012 तक चार पिंजरे लगाए थे और छह से सात टन मछलियां पकड़ी थीं। संभावना को पहचानते हुए, महतो और अन्य निवासियों ने कुजू मछुआरा सहकारी समिति का गठन किया। सामूहिक दृष्टिकोण ने उन्हें केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं तक पहुंचने में सक्षम बनाया, जिसमें प्रोटीन सप्लीमेंट्स के लिए राष्ट्रीय मिशन और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट से सहयोग शामिल है। आज, 68 सोसायटी सदस्य 22 एकड़ के आरा कोयला खदान में 126 पिंजरे संचालित करते हैं, जो रामगढ़ जिले में सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. के अंतर्गत आता है।

बिहार में निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण शुरू किया

औरंगाबाद (बिहार)/भाषा। बिहार के औरंगाबाद जिले में एक महिला को अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बांदेया थाने के अंतर्गत अमौना गांव के एक खेत से महिला के पति बिक्कू का शव बरामद होने के बाद 25 जून को पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया था।

दाऊदनगर (औरंगाबाद) के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) कुमार ऋषिराज ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''21 जून को बरामद शव पर चोट के बहुत सारे निशान थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। प्रारंभिक जांच और मृतक के परिजन के बयानों से पता चलता है कि बिक्कू की हत्या की गई थी।''

कुमार ऋषिराज के अनुसार, जांच दल ने पाया कि मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या की साजिश रची थी। एसडीपीओ ने बताया, ''महिला को 25 जून को गिरफ्तार किया गया था और उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। महिला और उसके प्रेमी दोनों ने मिलकर साजिश रची थी।

बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति के कारण

त्रिपुरा की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत : माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने विभिन्न एजेंसियों से बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राज्य में सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने राज्य के पहले साइबर पुलिस थाना का उद्घाटन करने के बाद कहा कि त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा हुआ है और इसलिए सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हम सभी बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति से परिचित हैं। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की जरूरत है। पूर्वोत्तर राज्य को मादक पदार्थों की तस्करी का गलियारा बना दिया गया है। सीमा पार से घुसपैठ भी एक अन्य समस्या है।'' साहा ने कहा,''ऐसी खबरें हैं कि लोगों का एक वर्ग अंतरराष्ट्रीय सीमा (भारतीय पक्ष) के करीब जाता है और अंतरराष्ट्रीय सीमा के दूसरी ओर रहने वाले लोगों के साथ बातचीत करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता -सक्षम 5जी सेवा उपलब्ध होने के बाद स्थिति भयावह हो सकती है।'' मुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पारंपरिक युद्ध के स्वरूप में हुए बदलाव का संदर्भ देते हुए कहा कि संघर्ष (पाकिस्तान के साथ) में तोपों और बलों की उपस्थिति नहीं देखी गई। उन्होंने कहा, ''आधुनिक युद्ध के लिए क्लिक की आवश्यकता होती है।'' साहा ने कहा, ''मोबाइल फोन एके-47 राइफल से भी अधिक खतरनाक हो गया है। उन्नत प्रौद्योगिकी ने लड़ाई, संघर्ष या युद्ध का स्वरूप बदल दिया है।''

मणिपुर में लोकप्रिय सरकार बनाने के प्रयास जारी: एन बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में एक लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में फिलहाल राष्ट्रपति शासन प्रभावी है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य मुख्यालय में एक कार्यक्रम से इतर बोलते हुए सिंह ने उम्मीद जताई कि मणिपुर में बहुत जल्द ही नई सरकार का गठन होगा। उन्होंने कहा, ''हम जल्द से जल्द सरकार बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं। जमीनी हालात को देखने के बाद मुझे विश्वास है कि जल्द ही सरकार बनेगी। भाजपा और उसके सहयोगी दल भी एक लोकप्रिय सरकार चाहते हैं। हम लोकप्रिय सरकार की बहाली के लिए काम कर रहे हैं।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने (भाजपा ने) किसी की आलोचना नहीं की है। हम केवल मौजूदा संकट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम राज्य में सौहार्दपूर्ण समाधान और शांति लाने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, हम लगातार विधायकों की बैठकों के साथ एक लोकप्रिय सरकार को बहाल करने के लिए भी काम कर रहे हैं।'' सिंह ने कहा कि राज्य में शांति बहाली के लिए केंद्र सरकार रात दिन प्रयास कर रही है।

मीडिया के एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, ''मैंने पहले भी कहा है कि अवैध आप्रवासियों और मादक पदार्थ के तस्करों ने पूरे पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे देश को प्रभावित किया है।''

कोलकाता में विधि पाठ्यक्रम की छात्रा से

सामूहिक दुष्कर्म मामले में कॉलेज का सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के विधि महाविद्यालय (कॉलेज) में इस सप्ताह की शुरुआत में प्रथम वर्ष की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में कॉलेज के एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

साथ ही, कॉलेज परिसर के सुरक्षा गार्ड कक्ष में हुई इस वारदात के सिलसिले में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के लिए हिरासत में लिए सुरक्षा गार्ड को बाद में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा, ''हमने आज सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उसके जवाब अस्पष्ट थे। सीसीटीवी फुटेज से कॉलेज में उसकी मौजूदगी का पता चला था।'' अधिकारी ने कहा कि गार्ड ड्यूटी निभाने में विफल रहा और पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उस समय वह ड्यूटी पर अकेला था। घटना 25 जून की शाम को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई थी। अधिकारी ने कहा, ''गार्ड ने इस बात का स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि उसने उचित कार्रवाई क्यों नहीं की और तीनों आरोपियों को अपराध करने से क्यों नहीं रोका। उसे यह भी बताना होगा कि वह क्यों और किसके निर्देश पर अपना कमरा छोड़कर गया। यह भी अपराध में एक तरह की संलिप्तता है।''

भाजपा ने कोलकाता सामूहिक बलात्कार कांड पर कहा

आरोपियों के तृणमूल कांग्रेस से संबंध, ममता इस्तीफा दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोलकाता के विधि महाविद्यालय की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के सभी आरोपियों के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस घटना पर माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''यह एक तरह से राज्य प्रायोजित क्रूरता और राजनीति से प्रेरित जघन्य अपराध है।'' उन्होंने पीड़िता के बयान के उन हिस्सों को पढ़कर सुनाया जिनमें अपराध का पूरा ब्योरा है तथा उसे एवं उसके परिवार को आरोपियों द्वारा दी गयी धमकी का भी उल्लेख है। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चार सदस्यीय समिति गठित की है जो मामले की जांच करने के लिए राज्य का दौरा करेगी और अपना निष्कर्ष पेश करेगी। पात्रा ने कहा कि समिति में सांसद बिप्लब कुमार देब और मनन कुमार मिश्रा तथा पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह और मीनाक्षी लेखी होंगीं। पात्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ है उससे पूरा देश दुख एवं सदमे में है और इतना ही नहीं, वहां हाल में महिलाओं के खिलाफ कई नृशंस अपराध हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को महिला मुख्यमंत्री वाले राज्य में महिलाओं के प्रति अधिक संवेदनशीलता की उम्मीद थी, लेकिन इसके बजाय बहुत अधिक असंवेदनशीलता है।

पात्रा ने मांग की कि मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। आरोपियों से संबंध नहीं होने के तृणमूल कांग्रेस के दावे को खारिज करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मुख्य आरोपी मोनोजित मिश्रा तृणमूल के छात्र संघ में पदाधिकारी था जबकि दूसरा आरोपी भी (छात्र) संघ का सदस्य था। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि महाविद्यालय के गार्ड रूम में जो कुछ हुआ, वह बिल्कुल किसी डरावनी फिल्म जैसा था, जिसमें राक्षस महिलाओं पर अत्याचार करता है। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल कांग्रेस के इन गुंडों ने प्रथम वर्ष की छात्रा (24) के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया। उस पर मुख्य आरोपी के विवाह प्रस्ताव को ठुकराने पर कथित रूप से हमला किया गया।'' पात्रा ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ उसके (मिश्रा के) संबंधों के पक्ष में कई तृणमूल नेताओं के साथ मिश्रा की तस्वीरें दिखाईं।

भाजपा प्रवक्ता ने गृह विभाग का भी कामकाज संभाल रहीं मुख्यमंत्री पर महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराधों को ''हल्के ढंग से'' लेने का आरोप लगाया। पात्रा ने कहा कि तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि अगर कोई सहपाठी किसी अन्य छात्रा के साथ बलात्कार करता है या महाविद्यालय के अंदर ऐसा होता है तो पुलिस ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकती है।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामला

चिराग ने बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में विधि की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना की निंदा की और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने की वकालत की।

इस मामले में गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी के पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप है। इस मामले में पुलिस अब तक चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगी पासवान ने यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया, ''बंगाल में स्थिति भयावह हो गई है। हत्या, लूट और दुष्कर्म की घटनाओं के बिना एक दिन भी नहीं गुजरता। ऐसे ज्यादातर मामलों में अपराधी वहां की सत्ताधारी पार्टी से जुड़े रहे हैं।'' चिराग ने यह भी दावा किया कि बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी 'अपने विरोधियों पर उंगली उठाने में माहिर है, लेकिन अपने घर को व्यवस्थित करने के लिए तैयार नहीं है'। उन्होंने आरोप लगाया, ''स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी अन्य राज्यों की अपेक्षा पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा की घटनाएं अधिक होती हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''इसलिए मेरा मानना है कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए और विधानसभा चुनाव होने तक इसे लागू रहना चाहिए। तभी हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कर सकते हैं।'' पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

राजग की सबसे बड़ी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछले एक दशक में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरी है।

सुविचार

राधा का प्रेम उस पानी जैसा था जो जितना भी बहता जाए, उसकी पवित्रता कभी कम नहीं होती।

ट्वीट

जहाँ लोग आज तक नाली और पानी की लाइन का सपना ही देखते थे, वहाँ अब खुदाई देखकर कुछ लोग ऐसे बौखलाए जैसे उनके सपनों की खुदाई हो गई हो। सड़क बनने से पहले सीवरेज लाइन डाली जा रही है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड

श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर, जोधपुर में महंत प्रसादगृह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित महापूजा में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रभु के चरणों में यह क्षण अत्यंत श्रद्धा और आनंद से भरा रहा।

-अशोक गहलोत

आलेख

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

अतीतजीविता

अयोध्या में मेरे साथ ऐसा कुछ होगा, इसे मैं सोच भी नहीं सकता था। मैं सहज भाव से यात्रा पर निकला था...संयोग भी अच्छा था, शहर से चार किलोमीटर पहले टेढ़ई चौराहे पर अयोध्या डिपो की रंग-बिरंगी बस दिख गई। मैं अपनी बस रुकवाकर इस पर आ गया था। बस में आठ-दस सवारियाँ थीं। देखते-देखते पाँच-सात लोग और आ गए। तभी बस के कंडक्टर ने अन्दर आकर उचटती-सी नजर दौड़ाई। अभी कई सीटें खाली थीं, किन्तु मिनी साइज की बस होने से भरी-भरी सी लग रही थी। उसने ड्राइवर को गाड़ी बढ़ाने का संकेत कर दिया।

बस रेंगने लगी, रेलवे क्रासिंग के आगे स्पीड में आ गई। बाहर फरवरी के दूसरे हफ्ते की उजली धूप ओढ़े अमराइयाँ, सरसों, गेहूँ, अरहर के खेत तेजी से पीछे भागने लगे। बीच-बीच में गन्ना से खाली हुए उदास खेत भी दिख जाते थे। मैंने शाल तहा कर बैग में रख लिया। बस द्वारिकागंज में आ रुकी। यहाँ एक अधेड़ महिला बस पर चढ़ी थी, बस फिर चल पड़ी। मुझे याद आया, पिछली दफे मैंने अयोध्या के लिए यहीं से सवारी ली थी। उस बार अपने चौराहे पर बस के इंतजार में था, तभी वर्मा मास्टर मिल गए थे। उनको द्वारिकगंज होकर गुजरना था, लिहाजा अपनी मोटर साइकिल पर यहाँ लेते आए थे। उस रोज आकाशवाणी में रिकार्डिंग थी। वहाँ से छूटकर राजकमल की शादी में शामिल होना था...। अभी नवम्बर में उसकी शादी की तीसरी सालगिरह की पोस्ट फेसबुक पर दिखी थी...। यानी इतने दिन बाद...पहले साल में दो-तीन दफे तो जाना होता ही था। यह सिलसिला अशोक मिश्र की शादी से शुरू हुआ था...।

यह अशोक जी कहानीकार थे और मेरे पेन फ्रेंड ! एक दिन स्कूल से वापस आया तो दरवाजे पर बीसेक साल का दुबला-पतला लड़का जैसा व्यक्ति मिला। यह अशोक थे, अपनी शादी का निमंत्रण देने आए थे। इसी शादी में जगदीश श्रीवास्तव से परिचय हुआ था, छरहरा औसत कद और साँवले चेहरे पर मैत्रीपूर्ण मुस्कान...मंच पर तरन्नुम के साथ नज़्में और गजलें कहते सुन चुका था, मगर अपने जनपद के हैं, इससे वाकिफ नहीं था। सुबह बारात विदा होने पर नियावाँ से बस स्टेशन तक साथ आए थे। बस पर बैठाते हुए आत्मीयता से कहा था- 'जब भी इधर आना हो, मुझे जरूर बताना...।'

तीन-चार माह बाद 'रचनाकार परिषद' की संगोष्ठी का आमंत्रण मिला। मैंने पोस्ट कार्ड से जगदीश को सूचित किया था। जवाब मिला और जैसा उन्होंने लिखा था, जब मैं बस से उतरा तो वह नीली वेस्पा स्कूटर के साथ मिले थे। हम साथ ही सोहावल पहुंचे थे। यहीं आरडी इंटर कालेज में संगोष्ठी थी। प्रिंसिपल रामकृष्ण पाण्डेय 'आमिल' आयोजक थे। लम्बा भरा शरीर, सांवला रंग, सफेद कुर्ता-धोती का लिबास, करीने से तराशी गई अधपकी दाढ़ी...यह थे प्रिंसिपल साहब ! जितने भव्य लगते थे, वैसा ही अदब की दुनिया में उनका ऊंचा मुकाम था...।

हल्के ब्रेक के साथ बस धीमी हो गई...देखा, बस कटका बाजार आ गई थी। यहाँ न कोई सवारी उतरी, न चढ़ी ! बस आगे बढ़ती गई...मेरी यादों का सिलसिला भी... आमिल जी और जगदीश श्रीवास्तव के माध्यम अयोध्या यानी तत्कालीन फैजाबाद के बौद्धिक हल्के में मुझे मान-सम्मान मिलने लगा था। जगदीश जी सिंचाई विभाग में क्लर्क थे, लेकिन प्रेस क्लब हो या रेडियो स्टेशन या फिर अवधी साहित्य अकादमी सब कहीं उनका रसूख था। गजब के यारबाज आदमी थे, चार साल के बीच मैं जब भी यहाँ आता था, वह बस स्टैंड पर मुझे मिलते और सारे समय साथ रहते...। फिर एक बिखराव का समय आ गया। अशोक 'हैदराबाद मिलाप' अखबार में चले गए। चंद्रमणि त्रिपाठी लखनऊ के अखबारों मे रम गए थे। हनुमान मिश्र सहायक विकास अधिकारी होकर गोरखपुर चले गए। इसी बीच जगदीश श्रीवास्तव का सुलतानपुर ट्रांसफर हो गया। इन्हीं दिनों 'आमिल' जी की चिट्ठी मिली। लिखा था- 'यह मेरी सेवा निवृत्ति का वर्ष है। प्रबन्ध तंत्र ने इस बार का वार्षिकोत्सव मेरी रचनाधर्मिता को समर्पित कर रखा है। इस मौके पर आपका प्रतिभाग और विचार आवश्यक है।'

मैंने तत्काल स्वीकृति दे दी कि नियत तारीख को दस बजे बस स्टैंड पर पहुँच जाऊंगा। खैर...उस दिन बस अड्डे के बाहर आया तो 'आमिल' जी का गरुण सामने मिला। इसका नाम कुछ और था, किन्तु पाण्डेय जी को लाने-ले जाने का काम करता था। इसलिए सब गरुण कहते थे। मेहमान रेस्त्रां में जलपान के बाद मैं उसके साथ कालेज पहुंचा। अच्छी गैदरिंग थी। ब्लाक प्रमुख, सांसद, विधायक आए थे। आसपास के कवि, लेखक, पत्रकार, रंगकर्मी थे। साकेत डिग्री कालेज के प्राचार्य और अवध यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसर भी प्रतिभाग के लिए आए थे। आमिल' जी के बड़प्पन जैसा बड़ा कार्यक्रम बन गया था।

बाद में वह रकाबगंज मोहल्ले में रहने लगे थे। मुझे जब भी फैजाबाद जाना होता,उन्हें सूचित कर देता था। हर बार उनका गरुण मुझे स्टेशन पर मिल जाता था। मस्त और फक्कड़ तबियत के थे 'आमिल' जी ! एक बार उनके यहाँ पहुंचा था, तभी अयोध्या के राज परिवार से मन्नू साहेब आ गईं। बोलीं- 'गुरुजी, पापा ने गाड़ी भेजी है । आप को याद किया है।'

उन्होंने तपाक से जवाब दिया- 'बेटा, अभी सुलतानपुर से मेरे मित्र आए हैं। तुरन्त निकालना नहीं हो पाएगा, शाम तक मैं खुद आ के मिल लूँगा।'

यह था उनका कबीरी ठाट ! ऐसे ही लोगों की बैठकी भी यहाँ होती थी। यहीं लम्बा, गोरा-चिट्टा राजेश्वर मिला था, बड़ा अधिकारी होते हुए सबमें घुला-मिला रहता था... और कन्हैयालाल... हल्के साँवले रंग का गोलमटोल धनाढ्य व्यवसायी था। कवि-लेखक के लिए मन में बहुत आदर रखता था। सामने पड़ते ही उसके चेहरे पर मोहक मुस्कान पसर जाती और सफेद दाँत चमक उठते...।... अचानक ब्रेक लगने से मैं आगे को झूल गया। देखा तो बस भीड़ भाड़ वाली कूड़ेभार बाजार से गुजर रही थी। यहाँ चौक में बस रुकी, तीन-चार सवारियाँ उतरीं और दर्जन भर यात्री अन्दर आ गए। बस आगे बढ़ी तो मेरा मन भी अपनी यात्रा पर चल निकला...।

दो रोज पहले विजय को फोन किया। दूसरी बार तीन-चार रिंग के बाद फोन उठा, मरियल सी आवाज आई- 'हैलो...!'

'कुछ दिक्कत है क्या ? परसों अयोध्या शोध संस्थान में आना है। सोच, आप से मुलाकात...।'

मेरी बात पूरी होने के पहले उसकी कराहती सी आवाज...'भाई, एक हफ्ता पहले गाँव आया था। अचानक शुगर लेवल बढ़ गया, बलरामपुर के नर्सिंग होम...!' 'ओह...।'-कहते हुए बीमारी से जुड़ी कुछ बातें...और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना के साथ मैं ने फोन काट दिया था। कल राजेश्वर से बात की। वह भी आज नहीं मिल पाएगा। उसके यहाँ गाँव में भाइयों के बीच पुश्तैनी जायदाद का बंटवारा होना है। कह रहा था- मेरा तो कोई ऐसा इरादा भी नहीं था, लेकिन इस उम्र में बच्चों का दबाव कहाँ अपनी सोच के साथ जीने देता है...।'

बस फिर धीमी होने लगी। परिचालक ने आवाज लगाई- चौरे बाजार की सवारियाँ गेट पर आ जाएं...।'

चौरे के नाम से मेरी स्मृति चैतन्य हो गई ... यही वह जगह है, जहां 'आमिल' जी को एक बड़े कवि सम्मेलन अध्यक्षता करनी थी। मुझे भी आने को कह रखा था। मगर अचानक ही हार्ट अटैक से उनकी मृत्यु हो गई थी। प्रेस क्लब में उनकी स्मृति में सभा रखी गई थी, मुझे भी बुलाया गया था। निश्चित दिन मैं फैजाबाद पहुंचा। बस अड्डे से बाहर आ रहा था, तभी कन्हैया दिख गया। अभिवादन में हाथ जोड़ते हुए बोला-'मुझे पता था, आप आएंगे। यहाँ-वहाँ भटकना न पड़े, इसलिए लेने आ गया।'

मैं उसी के साथ प्रेस क्लब गया था। करीब चार घंटे तक सभा चली थी, बाद में वह हमें बस स्टैड तक छोड़ने भी आया था। चलते-चलते अपनी दुकान का कार्ड देते हुए आग्रह किया- 'मुझे भी अपना ही समझें, जब इधर आयें दुकान के नम्बर पर फोन कर दिया करें।'

उस दौरान मुझे कई बार फैजाबाद जाना हुआ। हरबार कन्हैया मुस्कराहट के साथ बत्तीसी चमकता मुझे मिला था। वह मुझसे दस साल सीनियर रहा होगा। उसका यूं मुझे लेने आना, असहज जरूर लगता था। किन्तु मैं आदत से मजबूर था। मेरी दिली इच्छा रहती थी कि मैं यहाँ पहुँचू तो कोई मिले। लिहाजा मई घूमा-फिराकर अपने आने की सूचना कन्हैया को दे ही देता था।

बाद में हनुमान मिश्र फैजाबाद के विकास भवन मे आ गए थे। पुराने मित्र थे। इधर आना होता तो उनको सूचित कर देता दोनों लोग साथ हो जाते थे। दस-पन्द्रह मिनट की एक बैठकी कन्हैया के यहाँ भी हो जाती थी ...। अचानक खड़खड़ाहट शुरू हो गई...। देखा कि बस तमसा नदी के लोहे की रेलिंग वाले पुल से गुजर रही थी ...। मोबाइल निकाल कर हनुमान मिश्र को डायल किया। दो रिंग के बाद फोन उठा- 'हेलो सर, कहाँ हैं ?'

'तमसा पुल के आगे।...।'

'ठीक सर, नए वाले प्लाट पर हूँ। मसौधा से निकलें तो रिंग करें।'-उन्होंने सुझाव दिया।

'शोध संस्थान के लिए निकलने से पहले एक चक्कर कन्हैया के यहाँ...।'

'लगता है आप को पता नहीं...।'-उन्होंने मेरी बात बीच में ही काटकर बताना शुरू किया- 'अब वे शहर में नहीं रहते...।' मैं स्तब्ध सुनता रहा...पहले उनके दोनों लड़कों ने मन माफिक बिजनेस के लिए दो हिस्से कारा डाले, फिर साल भर बाद रहाइशी मकान का बंटवारा करके माँ-बाप को गाँव भेज दिया। हृदयविदारक समाचार था, मन खट्टा हो गया।

बस खजुरहट से आगे बीकापुर की सीमा में प्रवेश करती धीमी हो रही थी। यहाँ जलपान के लिए स्टॉप होता है। मैं भी नीचे आ गया था। एक कॉफी ली और धूप में खड़े-खड़े सिप किया। धूप की गर्माहट से कनटोप मैंने हाथ में ले लिया था। मैं जड़ी ही अपनी सीट पर आ गया था। सुकून से सिर सीट के पीछे टिका लिया था। विचार आया, मेरे पास कोठी-कार नहीं है, लेकिन शांति की कमी नहीं...चार साल हुए सेवानिवृत्ति के... बेटी-बेटा का प्रेसर नहीं... बंटवारा-विस्थापन और कोई बीमारी-आजारी भी नहीं कि घर बैठने की मजबूरी हो। जहां मन हो आना-जाना, पढ़ना-लिखना, समय से नहाना-खान...रात में अपने मरहले में चैन की नींद...बाप-दादा के आशीर्वाद जो यह मिला है, इससे अधिक और क्या चाहिए?

परम संतोष की स्थिति में भरतकुंड और मसौधा की भनक भी न लगी...बस नाका मुजफरा से बाई पास की तरफ बढ़ने लगी, तब होश आया। जल्दी से हनुमान मिश्र को डायल करना शुरू किया। तीसरे प्रयास में रिंग गई, तभी बस स्टैंड आ गया। मैं कान से मोबाइल लगाए बस से नीचे आ गया। फोन भी रिसीव हो गया- 'हैलो..!' 'मैं आ गया... गफलत में ध्यान ही नहीं रहा...।'

आप मेहमान रेस्त्रां मे चाय-वाय लें, 'बस मैं आया...।'-कुछ ऐक्शन मोड में मेरी बात बात काटते हुए उन्होंने कहा था।

मेरी चूक से वह नहीं निकल पाए तो अब बुलाना ठीक नहीं लग रहा था! मैंने मना कर दिया- रहने दें, 'टेम्पो से आकर मिलता हूँ।'

मैं मेहमान रेस्त्रां में चला गया। वेटर पानी के गिलास रखने आया, तो आलू की टिकिया और कॉफी मँगवाई। वह सर्व कर गया। लजीज टिकिया का आनन्द लेकर मैंने पानी पिया और कॉफी का कप सामने कर लिया। कप में चम्मच चलाते हुए सामने देखा, कुर्सी खाली थी। आज पहली बार मैं इस रेस्त्रां में अकेला था। मेरे अन्दर कुछ खटक गया। मन में जो मस्त-मस्त तरंग थी, अचानक दूर भागने लगी। अगले ही पल मुझे उपेक्षित और अजनबी हो जाने का अहसास कचोटने लगा, जोकि इतना भारी पड़ा कि खिली-खिली धूप वाला खुशनुमा दिन...आवाजाही से गुलजार सड़क...सब एकबारगी सुस्त उदास और धुंधला सा लगने लगा।

> मेरी बात पूरी होने के पहले उसकी कराहती सी आवाज...'भाई, एक हफ्ता पहले गाँव आया था। अचानक शुगर लेवल बढ़ गया, बलरामपुर के नर्सिंग होम...!' 'ओह...।'-कहते हुए बीमारी से जुड़ी कुछ बातें...और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना के साथ मैं ने फोन काट दिया था। कल राजेश्वर से बात की। वह भी आज नहीं मिल पाएगा। उसके यहाँ गाँव में भाइयों के बीच पुश्तैनी जायदाद का बंटवारा होना है। कह रहा था- मेरा तो कोई ऐसा इरादा भी नहीं था, लेकिन इस उम्र में बच्चों का दबाव कहाँ अपनी सोच के साथ जीने देता है...।'

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

युद्ध के विरुद्ध

मनुष्य कंदराओं में रहता था। सभ्यता के विकास के साथ उसने सामुदायिक उन्नति को आधार बनाया। परिणामस्वरूप नगर बसे, मनुष्य में अनेकानेक कलाओं का विकास हुआ। सारी विकास-यात्रा में तथापि भीतर का आदिम न्यूनाधिक बना रहा। इसी आदिम का एक पर्यायवाची है युद्ध। वस्तुत: युद्ध मनुष्य को ज्ञात और मनुष्य द्वारा विकसित एक ऐसी विद्रूप कला है जो मनुष्यता को ही विनाश के मुहाने पर ले आई। केवल विगत सौ वर्ष का इतिहास उठाकर देखें तो पाएँगे कि प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में तीन दशक से भी कम का अंतराल रहा। उसके बाद भी दुनिया निरंतर छोटे-बड़े युद्धों से जूझती रही है।

युद्ध की विभीषिका का दुष्परिणाम मनुष्य और मनुष्यता पर किस तरह से और कितना हुआ, इसका आँखें खोलने वाला एक प्रमाण 31 मार्च 2015 को एक फोटो के रूप में सामने आया था। यह फोटो युद्धग्रस्त सीरिया के शरणार्थी शिविर में रहने वाली 4 वर्षीय बच्ची हुडिया का था। फोटो जर्नलिस्ट ने जब फोटो खींचने के लिए अपना कैमरा इस बच्ची की ओर घुमाया तो युद्धग्रस्त क्षेत्र की बिटिया ने कैमरे को बंदूक समझा और क्षण भर भी समय लगाए बिना भय से आत्मसमर्पण की मुद्रा में अपने दोनों हाथ ऊपर उठा दिए। 'सरेंडर्ड' शीर्षक का यह मर्मस्पर्शी चित्र शेष बची मनुष्यता के हृदय पटल पर गहराई से अंकित हो गया।

साथ ही यह चित्र अनेक प्रश्नों को विस्तृत कैनवास पर खड़ा कर गया। मनुष्य शनै:-शनै: युद्ध का आदी होता जा रहा है। युद्ध का आदी होने का अर्थ है कि मृत्यु और विनाश, बर्बरता और विद्रूपता अब हमारी संवेदना पर तुलनात्मक रूप से काफ़ी कम प्रभाव डालते हैं। यह प्रक्रिया आगे चलकर मनुष्य को पूरी तरह से संवेदनहीन कर देती है।

इससे भी अधिक घातक और दुखदाई है कि मानुष से अमानुष होने की इस यात्रा पर कोई चिंतित नहीं दिखाई देता। पिछले लगभग दो वर्ष से विश्व दो बड़े युद्ध देख रहा है। प्रकृति का निरंतर विनाश हो रहा है। मनुष्य के उन्माद ने अंतरिक्ष को प्रक्षेपास्त्रों का अड्डा बना दिया है तो सागर की गहराइयों में संहारक क्षमता वाली पनडुब्बियाँ उतार दी हैं। धरती, सागर, आकाश सब बारूद के ढेर पर बैठे हैं। उस पर तुर्रा यह कि अब तो शांति के लिए युद्ध को अनिवार्य बता कर नोबल प्राप्त करने का अभियान भी चल रहा है। सचमुच यह मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य पर विचार करने का समय है।

विचार करने पर खुली आँखों से दिखता तथ्य है कि महा शक्तियों के लिए युद्ध व्यापार हो चला है। हर कोई अपने तरीके से युद्ध बेच रहा है। जो युद्ध की परिधि में हैं, वे तिल-तिल कर जी रहे हैं, उनका मरना भी तिल- तिल कर ही है। जो प्रत्यक्ष युद्ध की परिधि से बाहर हैं उनके लिए युद्ध मनोरंजन भर है। बमों के धमाकों की, मिसाइल की, युद्ध के अंतरराष्ट्रीय समीकरणों की चर्चा करते समय प्राय: मारे जा रहे लोग, पीड़ित स्त्रियाँ, आतंकित बच्चे मनुष्य की आंखों में नहीं तैरते। कुछ देर युद्ध की ख़बरें देखना लोगों के लिए असंख्य चैनलों में एक और विकल्प भर रह गया है।

अपनी कविता 'युद्ध के विरुद्ध' स्मरण हो आई है-

कल्पना कीजिए,
आपकी निवासी इमारत के सामने वाले मैदान में,
आसमान से एकाएक टूटा और फिर फूटा हो
बम का कोई गोला,
भीषण आवाज़ से फटने की हद तक
दहल गये हों कान के परदे,
मैदान में खड़ा बरगद का विशाल पेड़
अकस्मात लुप्त हो गया हो
डालियों पर बसे घरौंदों के साथ,
नथुनों में हवा की जगह घुस रही हो बारूदी गंध,
काली पड़ चुकी मटियाली धरती
भय से समा रही हो अपनी ही कोख में,
एकाध काले ठूँठ दिख रहे हों अब भी
किसी योद्धा की ख़ाक हो चुकी लाश की तरह,
अफरा-तफरी का माहौल हो,
घर, संपत्ति, ज़मीन के सारे झगड़े भूलकर
बेतहाशा भाग रहा हो आदमी
अपने परिवार के साथ
किसी सुरक्षित शरणस्थली की तलाश में,
आदमी की फैल चुकी आँखों में
उतर आई हो अपनी जान और
अपने घर की औरतों की देह बचाने की चिंता,
बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरुष,
सबके नाम की एक-एक गोली लिए
अट्टहास करता विनाश सामने खड़ा हो,
भविष्य मर चुका हो,
वर्तमान बचाने का संघर्ष चल रहा हो,
ऐसे समय में चैनलों पर युद्ध के
विद्रूप दृश्य देखना बंद कीजिए,
खुद को झिंझोड़िए,
संघर्ष के रक्तहीन विकल्पों पर अनुसंधान कीजिए,
स्वयं को पात्र बनाकर युद्ध की विभीषिका को
समझने-समझाने का यह मनोवैज्ञानिक अभ्यास है,
मनुष्यता को बचाए रखने का यह यथासंभव प्रयास है!

अलबत्ता यह भी सच है की कभी-कभी युद्ध अपरिहार्य होता है। 'शठे शाठ्यं समाचरेत' के सूत्र से सहमत होते हुए भी यथासंभव युद्ध रोकने के सारे प्रयास किए जाने चाहिएँ। अठारह अक्षौहिणी सेना को निगल जाने वाले महाभारत युद्ध को रुकवाने के लिए योगेश्वर भी दुर्योधन के पास गए थे। युद्ध तब भी अंतिम विकल्प था, अब भी अंतिम विकल्प ही होना चाहिए। नौनिहालों का आत्मसमर्पण, मनुष्यता के आत्मसमर्पण की घंटी है। यदि हम सच्चे मनुष्य हैं तो बचपन के चेहरे से आत्मसमर्पण के भाव को हटवा कर फोटो खिंचवाने की प्रसन्नता में बदलने की मुहिम में जुटना होगा। मानवता कराह रही है, मानवता बुला रही है। क्या हम सुन पा रहे हैं इस स्वर को?

वीर गाथा

मेजर दीपेंद्र विक्रम बस्नेत: ग्रेनेड की बौछार के बीच आतंकवादियों के खूंखार कमांडर का किया खात्मा

मेजर दीपेंद्र विक्रम बस्नेत सिक्ख रेजिमेंट की चौथी बटालियन के वीर योद्धा हैं। माता कल्पना बस्नेत और पिता अमर बहादुर बस्नेत के बेटे दीपेंद्र ने खूंखार आतंकवादियों का संहार किया था। वे 15 जून, 2023 को नियंत्रण रेखा पर कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में तैनात थे। भारतीय सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादियों का एक समूह घुसपैठ की कोशिश करने वाला है। इसके बाद दीपेंद्र और साथी जवानों की टीम एलओसी पर पैनी नजर रख रही थी।

मेजर दीपेंद्र ने उत्कृष्ट सूझबूझ दिखाते हुए अपने जवानों को पहले ही ऐसी जगह तैनात कर दिया था, जहां से आतंकवादियों पर घातक हमला किया जा सके। देर रात जब आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की तो दीपेंद्र और साथी जवानों ने उन पर भरपूर गोलीबारी की। इस दौरान आतंकवादियों के कमांडर ने जवानों की ओर कई ग्रेनेड फेंके। अपने साथियों पर मंडरा रहे इस खतरे को टालने के लिए दीपेंद्र रेंगते हुए आगे बढ़े। वे आतंकवादियों के कमांडर के बिल्कुल नजदीक पहुंच गए और उसे ढेर कर दिया।

इसके बाद दीपेंद्र का मुकाबला दूसरे आतंकवादी से हुआ। उन्होंने उसे चुनौती दी और गजब की फुर्ती दिखाते हुए उसे चाकू से मार गिराया। दीपेंद्र ने आतंकवादियों पर दबाव बनाए रखा। जल्द ही तीसरे आतंकवादी का भी खात्मा हो गया। उस ऑपरेशन में भारी हथियारों से लैस पांच विदेशी आतंकवादियों को ढेर किया गया था। एक शानदार ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे अदम्य साहस एवं उत्कृष्ट नेतृत्व के साथ सफल बनाने के लिए मेजर दीपेंद्र विक्रम बस्नेत को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

प्रसंग

स्वतंत्रता के अग्रदूत

वर्ष 1817 में पेशवा और अंग्रेजों के बीच भयंकर युद्ध हुआ। मराठा सेना ने पूरी शक्ति से युद्ध किया, परंतु भाग्य उनके प्रतिकूल था। पराजय के बाद पेशवा ने पुणे छोड़ दिया और वीर सैनिक राघोजी इस युद्ध में गंभीर रूप से घायल हो गए। अंग्रेज सैनिकों द्वारा किए गए अत्याचार से राघोजी ने तड़प-तड़पकर प्राण त्याग दिए। यह सुनकर उनके पुत्र लहूजी ने पिता की मृत्यु का प्रतिशोध लेने का निश्चय किया। उस समय उनकी आयु 24 वर्ष थी। समाज में विवाह का दबाव था, परंतु लहूजी ने देशसेवा को ही अपना उद्देश्य बना लिया। उन्होंने सह्याद्रि की पहाड़ियों में बसे गांवों के युवकों को संगठित कर एक सशक्त सेना बनाई, अस्त्र-शस्त्र एकत्र किए और अंग्रेज छावनियों पर हमले शुरू कर दिए। उनकी सेना में निर्धन और हाशिये पर गये जातियों के युवा शामिल थे। वर्ष 1857 की क्रांति में, कानपुर, ग्वालियर और झांसी के युद्धों में उनके सैनिकों ने अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन किया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या सभी ईरानी शासन से नफरत करते हैं?

मेलबर्न। वर्ष 2015 से 2018 तक, मैंने ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद में 15 महीने शोध कार्य किया। एक मानवविज्ञानी के रूप में, मेरी रुचि राजधानी तेहरान से बाहर ईरान के आम जनजीवन को समझने में थी। मेरी यह समझने में भी दिलचस्पी थी कि क्या 1979 की क्रांति की महत्वाकांक्षाएं 'आम' ईरानियों में भी जीवित हैं, न कि सिर्फ राजनीतिक अभिजात वर्ग में। मैं पहले एक विश्वविद्यालय परिसर में रहा, जहां मैंने फारसी सीखी। बाद में मैं ईरानी परिवारों के साथ रहा। मैंने ऐसे सैकड़ों लोगों के साक्षात्कार किए जिनके राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक विचारों का दायरा बहुत व्यापक था। उनमें इस्लामिक गणराज्य के विरोधी, समर्थक और कई ऐसे लोग शामिल थे जो इन दोनों के बीच के थे। जो साक्षात्कार मैंने लिए, उनसे मुझे ईरान में विचारों और अनुभवों की विविधता का पता चला और यह भी कि ईरानी क्या मानते हैं, इसके बारे में कोई एक समान बयान देना कितना मुश्किल है। जब 13 जून को इज़राइल ने ईरान पर हमले शुरू किए, जिनमें कई शीर्ष सैन्य कमांडरों की मौत हो गई, तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों और ईरानी प्रवासियों द्वारा संचालित समाचार माध्यमों ने ऐसी तस्वीरें दिखाईं, जिनमें ईरानी नागरिक इन अलोकप्रिय शासन अधिकारियों की मौत पर खुशी जाहिर करते नज़र आ रहे थे। मेरे कार्यक्षेत्र के मित्रों ने भी इन जश्नों को रेखांकित किया, हालांकि वे हमेशा उनसे सहमत नहीं थे। कई लोगों को डर था कि ईरान और इजराइल के बीच बड़े संघर्ष का असर हो सकता है। इन भावनाओं को संदर्भ में रखने की कोशिश करते हुए, कई विश्लेषकों ने नीदरलैंड स्थित 'गमान' नामक एक स्वतंत्र संगठन द्वारा 2019 में किए गए सर्वेक्षण की ओर इशारा किया है, जिसमें ईरानी जनता की राय जानने की कोशिश की गयी है।

बांग्लादेश ने बिजली बकाया के लिए अदाणी को 38.4 करोड़ डॉलर का भुगतान किया

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश ने जून में अदाणी पावर को 38.4 करोड़ डॉलर का भुगतान किया, जिससे भारतीय कंपनी के साथ बिजली आपूर्ति समझौते के तहत उसके बकाये में उल्लेखनीय कमी आई है। सूत्रों ने यह जानकरी दी।

मामले से अवगत दो सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश को जून में 43.7 करोड़ डॉलर का भुगतान करना था, जिसमें से उनसे 27 जून तक 38.4 करोड़ डॉलर का भुगतान किया है। इससे 31 मार्च तक बांग्लादेश के स्वीकृत दावों का भुगतान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस भुगतान के बाद अदाणी का दावा घटकर लगभग 50 करोड़ डॉलर रह जाएगा, हालांकि यह अभी भी काफी अधिक है।

बांग्लादेश 2017 के समझौते के तहत अपने भुगतान दायित्वों को पूरा करने के लिए जूझ रहा है, क्योंकि 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष और घरेलू राजनीतिक उथल-पुथल के बाद उसकी आयात लागत बढ़ी है।

अदाणी ने पिछले साल आपूर्ति आधी कर दी थी और मार्च 2025 में बांग्लादेश के कुछ बकाया राशि का भुगतान करने के बाद पूरी आपूर्ति फिर से शुरू की गई थी।

ताजा भुगतानों के साथ, बांग्लादेश ने लगभग दो अरब डॉलर की कुल बकाया राशि में लगभग 1.5 अरब डॉलर का भुगतान कर दिया है।

शेफाली जरीवाला की बहन शिवानी जरीवाला और परिवार के अन्य सदस्य उनके निवास पर पहुंचे जहां शनिवार को मुंबई में उनका पार्थिव शरीर लाया गया।

'कांटा लगा' फेम शेफाली जरीवाला का निधन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का निधन हो गया है। वह 42 वर्ष की थी। बताया जा रहा है कि 27 जून की रात शेफाली को अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। उनके पति पराग त्यागी उन्हें तुरंत मुंबई मे एक अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहा चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शेफाली जरीवाला का जन्म गुजरात में वर्ष 1982 में हुआ था। शेफाली शुरुआत से ही फिल्मी दुनिया का हिस्सा बनना चाहती थीं, इसलिए मौका मिलते ही वह अपने सपने पूरे करने के लिए गुजरात से मुंबई आ गईं। यहां आकर उन्होंने कई म्यूजिक एल्बम और फिल्मों में काम भी किया। शेफाली ने वर्ष 2005 में सरदार पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर डिग्री हासिल की। अपने इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान उन्हें संगीत एल्बम में काम करने का अवसर मिला। शेफाली जरीवाला ने 2002 में रिलीज हुए रीमिक्स गाने 'कांटा लगा' के म्यूजिक वीडियो से रातोंरात प्रसिद्धि हासिल की थी।

इस गाने ने उन्हें 'कांटा लगा गर्ल' का खिताब दिलाया और यह गाना उस समय लोगों कि जुबान पर था। उनके बोल्ड लुक ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इस गाने की सफलता के बाद शेफाली ने कई अन्य म्यूजिक वीडियोज, रियलिटी शोज, और फिल्मों में भी काम किया।

शेफाली जरीवाला ने सलमान खान और अक्षय कुमार स्टारर वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' में भी छोटी लेकिन अहम भूमिका निभाई थी। इसी दौरान वर्ष 2004 में उन्होंने मीत ब्रदर्स वाले संगीत निर्देशक हरमीत सिंह से शादी की।

यह शादी भी काफी चर्चित रही. लेकिन यह रिश्ता ज्यादा वक्त नहीं चला और 2009 में दोनों अलग हो गए। इसके बाद वर्ष 2014 में उन्होंने अभिनेता पराग त्यागी से शादी की। शेफाली ने 'नच बलिए 5' और 'नच बलिए 7' में अपने पति, अभिनेता पराग त्यागी के साथ हिस्सा लिया। वर्ष 2019 में शेफाली 'बिग बॉस 13' में बतौर प्रतिभागी नजर आईं, जहां उन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। शेफाली के अचानक निधन की खबर ने मनोरंजन इंडस्ट्री और उनके फैंस को गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर लोग अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बैंकॉक में प्रदर्शन

बैंकॉक/एपी

थाईलैंड की राजधानी में शनिवार को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर एकत्र हुए। यह प्रदर्शन शिनावात्रा और कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन के बीच फोन पर हुई बातचीत के लीक होने के बाद पैदा हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हो रहा है। कंबोडिया के साथ 28 मई को हुए सीमा विवाद में सशस्त्र टकराव के बाद पैतोंगतार्न के प्रति असंतोष बढ़ गया है। कंबोडिया के एक सैनिक की विवादग्रस्त क्षेत्र में हत्या कर दी गई थी। इस मामले से निपटने के शिनावात्रा के तौर तरीकों पर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले में थाईलैंड में जांच शुरू हो गई है जिसके परिणामस्वरूप शिनावात्रा को पद से हटाया जा सकता है।

दरअसल शिनावात्रा की क्षेत्रीय सेना कमांडर के प्रति टिप्पणियां और सीमा पर तनाव कम करने के लिए कंबोडियाई सीनेट के अध्यक्ष हुन सेन की कथित खुशामद के प्रयासों को लेकर लोगों में रोष है। प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय ध्वज और बैनर थामे हुए थे और वे मध्य बैंकॉक में विजय स्मारक के आसपास की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रवादी भावना से ओतप्रोत गीत गाए और नारे लगाए। सूरत थानी प्रांत के 47 वर्षीय गाइड तचाकोर्न श्रीसुवान ने कहा कि वह लीक बातचीत के मद्देनजर शिनावात्रा के इस्तीफे की मांग करने के लिए बैंकॉक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास कभी भी ऐसा कमजोर प्रधानमंत्री नहीं रहा। हम किसी पर आक्रमण नहीं करना चाहते, लेकिन हम यह कहना चाहते हैं कि हम थाई नागरिक हैं और हम थाईलैंड की संप्रभुता की रक्षा करना चाहते हैं। विरोध प्रदर्शन में शामिल कई लोग 'येलो शर्ट्स' के नाम से मशहूर उस समूह के जाने-पहचाने चेहरे हैं जिनके कपड़ों का रंग थाई राजशाही के प्रति निष्ठा दर्शाता है।

यह समूह शिनावात्रा के पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा का प्रमुख विरोधी रहा है। थाकसिन शिनावात्रा के भी हुन सेन से करीबी संबंध रहे हैं। हुन सेन ने शनिवार को अपने देश की भूमि को विदेशी आक्रमणकारियों से बचाने की शपथ ली और कहा कि थाई सेना की कार्रवाई कंबोडिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का गंभीर उल्लंघन है। हालांकि उनका देश सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए सद्भावनापूर्ण प्रयास कर रहा है।

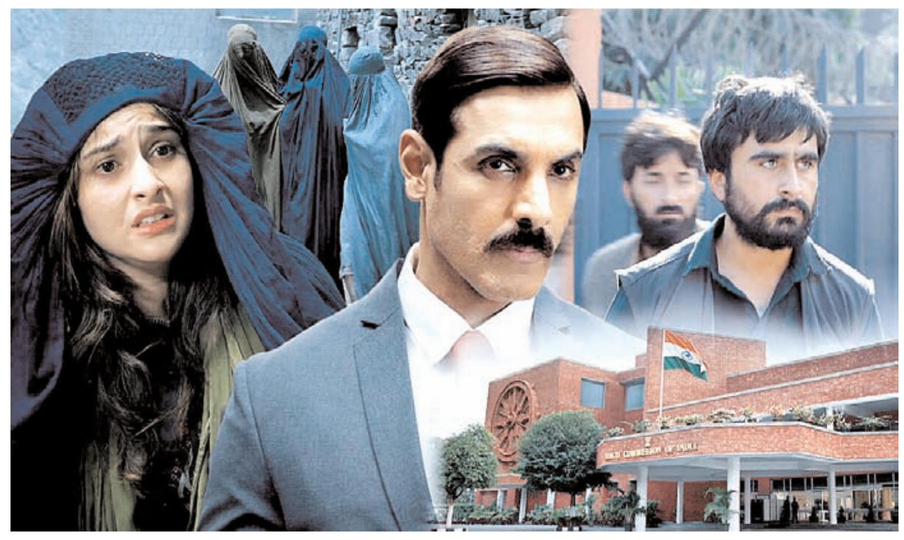

फिल्म 'द डिप्लोमेट' का कल होगा प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के एक्शन स्टार जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमेट' का प्रीमियर 29 जून को सोनी मैक्स पर होगा। सोनी मैक्स चैनल दर्शकों के लिए एक जबरदस्त थ्रिलर 'द डिप्लोमेट',लेकर आ रहा है,जिसका प्रीमियर 29 जून, दोपहर 1 बजे, सिर्फ सोनी मैक्स पर होगा। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर एक सच्ची घटना पर आधारित है और इसमें जॉन अब्राहम ने एक भारतीय राजनयिक जे. पी. सिंह की भूमिका निभाई है, जो पाकिस्तान में तैनात हैं। यह फिल्म उज़मा अहमद के मामले पर आधारित है। एक भारतीय महिला जो दावा करती है कि उसे जबरन शादी में फंसाया गया और बाद में वह महिला भारतीय दूतावास में शरण लेती है। इस फिल्म की शुरुआत खूबसूरत लेकिन संघर्षग्रस्त खैबर पख्तूनख्वा की वादियों से होती है, जहां कई महिलाएं अपहरण और अत्याचार का शिकार होती हैं।

उन्हीं में से एक है भारत की उज़मा, जिसे धोखे से शादी के जाल में फंसाया जाता है और फिर वह कैद, हिंसा और डर की दुनिया में फंस जाती है। फिल्म में जे. पी. सिंह की कोशिशों को दिखाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिलताओं के बीच उज़मा को सुरक्षित भारत लाने के मिशन पर निकलते हैं, जहाँ उन्हें नैतिक दुविधाओं और पाकिस्तानी अधिकारियों के संदेह का सामना करना पड़ता है।

फिल्म का निर्देशन शिवम नायर ने किया है। जॉन अब्राहम ने फिल्म के प्रीमियर से पहले, अपने किरदार के बारे में बताया कि, एक राजनयिक की भूमिका निभाना एक अद्भुत अनुभव था। मुझे यह क्षेत्र पसंद है और इससे पहले मद्रास कैफ़े, बाटला हाउस और परमाणु में भी मैं ऐसे किरदार कर चुका हूं। द डिप्लोमेट ने मुझे फिर से उसी ज़ोन में पहुंचा दिया और मैंने हर पल का आनंद लिया। जॉन अब्राहम ने कहा, मैं राजनीतिक रूप से जागरूक हूं, इसलिए समझता हूं कि दुनिया में क्या हो रहा है। यह फिल्म उन दर्शकों को जागरूक करेगी जो राजनीति या अंतरराष्ट्रीय मामलों के बारे में कम जानते हैं।

आधार शिला

भाजपा सांसद कंगना रनौत, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के साथ शनिवार को हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा क्रिकेट ग्राउंड में एक उच्च ऊंचाई वाले खेल प्रशिक्षण केंद्र की आधारशिला रखी।

रश्मिका मंदाना बनीं 'मैसा'

मुंबई/एजेन्सी

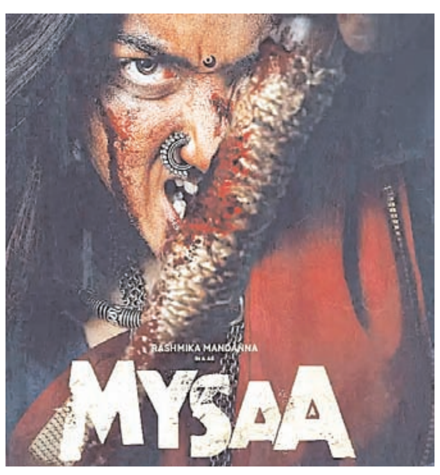

जानीमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना फिल्म मैसा में काम करती नजर आयेंगी। रश्मिका मंदाना देशभर में जबरदस्त फैनबेस एन्जॉय करती हैं, और फैंस बेसब्री से इंतज़ार करते हैं कि वो आगे क्या करने वाली हैं। कल रिलीज़ हुए दिलचस्प पोस्टर के बाद, रश्मिका मंदाना की अगली फिल्म मैसा का ज़ोरदार लॉन्च हुआ। पुष्पा 2: द रूल के बाद रश्मिका एक और पैन इंडिया फिल्म मैसा के साथ तैयार हैं। अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी मैसा एक ऐसी कहानी लग रही है जिसमें एक महिला योद्धा की हिम्मत और जज़्बे को दिखाया गया है। फिल्म का पोस्टर वाकई अब तक कभी न देखा गया लुक देता है, जिसमें रश्मिका मंदाना के चेहरे का तेज और जज़्बा साफ नजर आता है। प्रोडक्शन हाउस ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा,हौसले में पली। इरादों में अडिग। वो दहाड़ती है। सुनने के लिए नहीं, डराने के लिए। पेश हैं रश्मिकामंदाना अपने सबसे तीखे अवतार में मैसा में। रश्मिका मंदाना इस प्रोजेक्ट को लेकर खुद भी काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म का टाइटल और लुक अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए एक खास कैप्शन लिखा,मैं हमेशा आपको कुछ नया... कुछ अलग... कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं...और ये... ये वैसा ही एक प्रोजेक्ट है...एक ऐसा किरदार जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया... एक ऐसी दुनिया जहां मैं पहले कभी नहीं गई...और मेरा ऐसा रूप जिसे मैंने खुद भी अब तक नहीं देखा था...ये गुस्से से भरा है... बहुत दमदार है... और बिलकुल असली है।

मैं थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन बहुत खुश भी हूं। मैं सच में इंतज़ार नहीं कर सकती कि आप सब देखें हम क्या बना रहे हैं...और ये तो बस शुरुआत है। मैसा को लेकर बात करते हुए निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने कहा,मैसा दो साल की मेहनत का नतीजा है। हम चाहते थे कि इस फिल्म की दुनिया, उसका लुक, किरदार और कहानी, हर एक चीज़ बिलकुल सही हो। और अब हम ये कहानी दुनिया को सुनाने के लिये तैयार हैं।

एक्टिंग के लिए न्यूट्रल रहना जरूरी : कोंकणा सेन शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा स्टारर फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' रिलीज को तैयार है, जिसे लेकर कोंकणा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि एक्टिंग से पहले कलाकार को शांत और न्यूट्रल रहना चाहिए। कोंकणा ने कहा कि काम के दौरान बाहरी शोर और निजी भावनाओं से दूरी बनाना एक्टिंग के लिए बेहद जरूरी है। इससे फोकस करने में मदद मिलती है।

कोंकणा ने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा और वह अक्सर उनके साथ सीन, किरदार और कहानी को लेकर सेट पर चर्चा करती थीं। उन्होंने बताया, हमने किरदारों और उनकी दुनिया के बारे में थोड़ी बात की। सेट पर सब कुछ मूड पर निर्भर करता है।

कोंकणा ने बताया कि सेट का माहौल निर्देशक से शुरू होता है, जो फिर विभाग प्रमुखों (एचओडी) और एक्टर्स तक पहुंचता है। उन्होंने बताया, अनुराग के सेट पर होने से निगेटिव, स्ट्रेस या आलोचना का माहौल नहीं बनता। एक एक्टर को न्यूट्रल रहना पड़ता है, क्योंकि आपको किसी और किरदार को जीना होता है। अगर आप तनाव या नकारात्मक भावनाओं से भरे हैं, तो यह आपकी एक्टिंग में भी दिखाई देता है। कोंकणा ने इस बात पर जोर दिया कि अभिनय से पहले अपनी निजी भावनाओं को पीछे छोड़ना जरूरी है, ताकि किरदार को पूरी तरह जिया जा सके। 'मेट्रो इन दिनों' साल 2007 में रिलीज हुई 'लाइफ इन ए मेट्रो' का सीक्वल है। 'लाइफ इन ए मेट्रो' में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शाइनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे।

मानुषी छिल्लर ने स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने की अपनी पहल को जारी रखा

मुंबई/एजेन्सी

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर लंबे समय से अपने गैर-लाभकारी पहल प्रोजेक्ट शक्ति के ज़रिए महिलाओं के स्वास्थ्य की हिमायती रही हैं। और इस सामाजिक प्रभाव परियोजना को आगे बढ़ाते हुए, मानुषी ने हाल ही में माहवारी, स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए युवा लड़कियों से मुलाकात की। अपनी पहल के तहत, मानुषी ने युवा लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में शिक्षित करने के लिए मुंबई के एक स्कूल का दौरा किया, सैनिटरी पैड वितरित किए और इस विषय पर खुली बातचीत को प्रोत्साहित किया। जबकि उन्होंने पहले से ही कई पहल का नेतृत्व किया है, जिससे न सिर्फ अनगिनत महिलाएँ अपनी माहवारी स्वच्छता को प्राथमिकता देने में मदद मिली हैं, बल्कि उन्हें मुफ्त सैनिटरी पैड्स भी उपलब्ध हुए हैं। अब मानुषी इस अभियान को युवाओं तक पहुंचाकर एक बड़ा कदम आगे बढ़ा रही हैं।

माहवारी स्वास्थ्य को लेकर उनका समर्पण नया नहीं है। कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान, उन्होंने सार्वजनिक रूप से राज्य सरकारों से उन लोगों को मुफ्त सैनिटरी पैड और राशन जैसी आवश्यक चीजें उपलब्ध कराने का अपील की थी। खासकर फंसे हुए महिलाओं और आजीविका कमाने में असमर्थ लोगों को जो कोविड के कारण प्रभावित हुए हैं। प्रोजेक्ट शक्ति के माध्यम से, उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में काम किया, 20 गांवों की 5,000 से अधिक महिलाओं की मदद की, और इसके लिए उन्हें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में ब्यूटी विद ए पर्पज़ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

मिस वर्ल्ड के बाद, उन्होंने मासिक धर्म के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भारत और अफ्रीका में काम किया और एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया, जो कम कीमत वाले, कंपोस्ट बनाने योग्य सैनिटरी पैड प्रदान करता है। माहवारी स्वास्थ्य के प्रति उनके प्रयासों के अलावा, मानुषी ने सामाजिक सरोकारों को और भी व्यापक रूप में अपनाया है। उन्होंने प्रोजेक्ट शक्ति के माध्यम से वर्ल्ड एड्स डे की गतिविधियों में भी भाग लिया है, जिससे उनके बहुआयामी स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की प्रतिबद्धता झलकती है। उनका कार्य महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति एक सतत प्रयास है, जिसमें वह अपने ब्यूटी क्वीन के मंच को सार्थक सामाजिक प्रभाव से जोड़ती हैं। बॉलीवुड में, मानुषी की इस साल दो बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं - राजकुमार राव के साथ 'मालिक' और जॉन अब्राहम के साथ 'तेहरान', जिसमें मानुषी दो विपरीत भूमिकाओं में नजर आएंगी।

एनिमेटेड फिल्म 'लूप लाइन': उन महिलाओं का क्या जो अपना जीवन नहीं बदल सकतीं: रेणुका शहाणे

नयी दिल्ली/एजेन्सी। महिलाओं पर आधारित कहानियों में अक्सर उन्हें संघर्ष के बाद कोई हल खोजने की दिशा में कोई कदम उठाते दिखाया जाता है, लेकिन उन महिलाओं का क्या, जिनके पास न तो संसाधन हैं और न ही परिस्थितियों से बाहर निकलने का कोई रास्ता? इन्हीं सवालों से प्रेरित होकर फिल्म निर्माता रेणुका शहाणे ने अपनी नयी फिल्म 'लूप लाइन' बनाई है। दूरदर्शन के दिनों से ही सिनेमा और टीवी का जाना-माना नाम रहीं शहाणे ने कहा कि वह उन कई गृहिणियों के बारे में सोचती रहती हैं जो भावनात्मक और मौखिक दुर्व्यवहार के कारण अंतहीन दुष्चक्र में फंसी रहती हैं।

अभिनेत्री व फिल्म निर्माता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मेरे दिमाग में यह विचार था कि जब हम महिलाओं की कहानियां पढ़ते हैं, तो अंत में वे अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए कोई बड़ा या छोटा क्रांतिकारी कदम उठाती हैं। लेकिन उनका क्या जो कभी वह कदम नहीं उठातीं या जिनके पास कोई रास्ता नहीं है? वे एक प्रेमविहीन विवाह में फंसी हुई हैं, जहां उन्हें अपने काम के लिए कोई सम्मान नहीं मिलता और मानसिक शोषण सामान्य बात है। 'लूप लाइन' करीब आठ मिनट की लघु फिल्म है जो मुंबई की एक अधेड़ उम्र की गृहिणी पर आधारित है। फिल्म में वह खाना बनाती है, साफ-सफाई करती है और भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने वाले अपने पति के साथ छोटे से फ्लैट में रहती है, जिसके बाहर उसका कोई जीवन नहीं है। लेकिन अपने मन की बगिया में उसका

जीवन कल्पनाओं से भरा हुआ है जहां वह स्क्रीन पर नजर आने वाले अपने पसंदीदा हीरो से प्रेम करती है, खिली हुई कमलनियों से भरे तालाब में उन्मुक्त होकर तैरती है- यह ऐसा दृश्य है जो क्लाउड मोनेट की एक प्रसिद्ध पेंटिंग की याद दिलाता है।

अपनी इसी काल्पनिक दुनिया में ऐसे क्षण भी आते हैं जहां वह अपना आक्रोश भी जाहिर करती है। निर्देशक के रूप में 2021 में फिल्म 'त्रिभंगा' के साथ शुरूआत करने वाली शहाणे ने कहा कि उन्होंने शुरूआत में लाइव-एक्शन के लिए कहानी लिखी थी, लेकिन 'एनीमेशन' में चरित्र का आंतरिक जीवन उन्हें ज्यादा खूबसूरत लगा। शहाणे ने कहा, जब मैं यह लिख रही थी, तो मुझे एहसास हुआ कि इस विशेष फिल्म में एक महिला की कल्पनाएं मैं केवल 'एनीमेशन' में ही दिखा सकती हूं।

उन्होंने कहा, भारत में ऐसी कोई जगह या संस्थान नहीं है जहां हम वयस्कों के लिए 'एनीमेशन' फ़िल्में दिखा रहे हों। इसलिए मुझे पता था कि यह मेरा एक ऐसा जुनूनी प्रोजेक्ट होगा जिसमें मैं पैसा लगाऊंगी और जिसमें फायदे की उम्मीद नहीं है। मैं इस बात पर अड़ी थी कि मैं यह कंटेंट सिर्फ़ एनीमेशन में ही बनाना चाहती हूं। जब मैंने पेपरबोर्ड डिज़ाइन स्टूडियो के मेरे एनिमेटर से जुड़ी टीम से संपर्क किया तो वे आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने कहा, हमारे देश में अभी तक यह उतना लोकप्रिय नहीं हुआ है जितना जापान या अन्य देशों में है... ।

'लूप लाइन' में मिताली जगताप और आनंद अलकुंते की आवाज़ें शामिल हैं। यह फ़िल्म 19वें तस्वीर साउथ एशियन फ़िल्म फ़ेस्टिवल, मुंबई शॉर्ट और डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म फ़ेस्टिवल और न्यूयॉर्क इंडियन फ़िल्म फ़ेस्टिवल जैसे फ़िल्म समारोहों में दिखाई जा चुकी है। इसका निर्माण शहाणे के 'पदचिंहा प्रोडक्शन' द्वारा किया गया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

बलावास गौशाला सेवा समिति के तत्वावधान में राजस्थान में स्थित गौशाला परिसर में 25 नवम्बर से आयोजित होने वाले भगवान श्रीकृष्ण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में समिति द्वारा शुक्रवार की शाम से शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में गौभक्ति संध्या व भगवान श्रीकृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के संबंधित विभिन्न बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में गौभक्तों व बिलावास प्रवासियों ने भाग लिया।

चातुर्मास में ज्ञान की रोशनी करने आते हैं संतगण : संतश्री ज्ञानमुनि

यलहंका में संतश्री ज्ञानमुनि का हुआ सादगी से चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका के तत्वावधान में शनिवार को सुबह शुभ मुहूर्त में संतश्री ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी का चातुर्मास प्रवेश सादगीपूर्ण तरीके से हुआ। संतश्री ने संघ के सदस्यों के साथ सुबह यलहंका स्थित मधुरा पैलेस से विहार कर कैफे कॉफी-डे होते हुए हॉस्पिटल रोड स्थित आराधना भवन में चातुर्मास प्रवेश किया। आराधना भवन में धर्मसभा का आयोजन किया गया जिसमें यलहंका संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द कोठारी ने सभी उपस्थित जनों सहित संतों का स्वागत किया। मंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए चातुर्मास की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा चातुर्मास के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी दी।

अपने प्रवेश के मौके पर ज्ञानमुनिजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए बहुत ही सरल तरीके से कहा कि आज का मौका तो आप सभी को चातुर्मास कार्यक्रमों में शामिल होने का निमंत्रण देने का मौका है । संतश्री ने अपनी चिरपरिचित शैली में विभिन्न छोटे छोटे दृष्टांतों के माध्यम से अपने प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए कहा कि पाप करने से हमें बचना चाहिए। पाप करना आसान है परन्तु उसके परिणाम भोगना बहुत मुश्किल है। व्यक्ति जैसा करेगा, वैसा ही भुगतेगा। संतश्री ने कहा कि दूसरों की गलती में आदमी शूरमा बन जाता है और जब अपनी गलती होती है तो व्यक्ति भीगी बिल्ली बन जाता है। जो व्यक्ति गिर कर भी संभल जाता है और अपनी भूल का पश्चाताप कर लेता है वही सच्चा व्यक्ति होता है।

एक कहानी के माध्यम से संतश्री ने कहा कि संसारी आदमी पैसे में अपना लाभ समझता है जबकि सच्चा लाभ गुणी, संत, ज्ञानी, विद्वान से मिलने से होता है। अच्छे संत मिलने से जीवन में परिवर्तन आता है। गुरु दीपक के समान होते हैं। भगवान सूरज है तो संत दीपक है।

संत तो सूरज की अनुपस्थिति में भी ज्ञान का उजाला करते हैं। चातुर्मास में ज्ञान की रोशनी करने आते हैं संत। संत चलते फिरते तीर्थ होते है और चातुर्मास के दौरान यह चलते फिरते तीर्थ श्रावक श्राविकाओं के पास आते हैं जिसका सभी को लाभ उठाना चाहिए। संतश्री ने अपने चातुर्मास प्रवेश पर विभिन्न संघों की पदाधिकारियों की अच्छी उपस्थिति देखते हुए कहा कि संगठन में ही एकता है और जो हम अखंड रहेंगे तो महकते रहेंगे।

चातुर्मास के दैनिक प्रवचन 9 जुलाई से शुरू होंगे। इस मौके पर शहर के विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों के साथ कर्नाटक जैन कांफ्रेंस के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महामंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, स्थानकवासी महासंघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचन्द सकलेचा, महामंत्री अभय बांठिया, प्रांतीय कांफ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष चंपालाल मकाना, केसरीमल लुकड़, नेमीचंद हरण, सुरेश छल्लानी, सुमेरसिंह मुणोत, भंवरलाल बोहरा, प्रकाशचंद बोहरा,शांतिलाल खिवेंसरा मनोहरलाल डूंगरवाल गुलाबचंद पगारिया उत्तमचंद कोठारी, पारसमल लोढ़ा, कल्याणसिंह बुरड़, गौतमचंद ओस्तवाल सहित अनेक श्रावक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मनोहरलाल लुकड़ ने किया तथा क्षेत्र के सभी जनों से चातुर्मास कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेने का अनुरोध किया।

गौभक्ति संध्या व श्रीकृष्ण मंदिर प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावों में दिखा उत्साह

बिलावास गौशाला सेवा समिति ने लाभार्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बिलावास गौशाला सेवा समिति के तत्वावधान में राजस्थान में स्थित गौशाला परिसर में 25 नवम्बर से आयोजित होने वाले भगवान श्रीकृष्ण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में समिति द्वारा शुक्रवार की शाम से शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में गौभक्ति संध्या व भगवान श्रीकृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के संबंधित विभिन्न बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में गौभक्तों व बिलावास प्रवासियों ने भाग लिया। इस भक्ति संध्या में भजन गायक गजेन्द्र राव, लोकगीत गायिका डॉ अर्चना भार्गव व कैलाश पंवार ने भजनों की प्रस्तुति दी तथा गौमाता का गुणगान किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिलावास के धर्मगुरु घनश्यामदासजी महाराज, बेंगलूरु के गौभक्त पुखराजजी महाराज, गौरक्षण शाला के अध्यक्ष रायचन्द छाजेड़, सुराणा संघ के पूर्व अध्यक्ष सरदारमल सुराणा, जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रतिष्ठा संबंधी अनेक चढ़ावे बोले गए जिसमें उपस्थित जनों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

अध्यक्ष इन्दरचन्द बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए प्रतिष्ठा संबंधित विभिन्न चढ़ावों की जानकारी दी। मंत्री नरेन्द्र आच्छा ने गौशाला के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि बिलावास गौशाला को सर्वश्रेष्ठ गौशाला से सम्मानित किया गया है तथा गौशाला में दानदाताओं के सहयोग से 1200 गायों की व्यवस्था व देखरेख की जा रही है। कोषाध्यक्ष अमराराम चोयल ने श्रीकृष्ण मंदिर के निर्माण कार्य की जानकारी दी तथा गौशाला के विस्तार, विकास एवं प्रतिष्ठा निमित कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहसचिव लक्ष्मण आगलेचा ने प्रस्तावित बोलियों के चढ़ावे के संचालन में मंत्री व कोषाध्यक्ष के साथ पूरा सहयोग किया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण राधा जी को विराजमान करने के चढ़ावे का लाभ खीवाराम नेमाराम आगलेचा परिवार ने लिया। समिति की ओर से सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया। देर रात तक चले इस आयोजन में गौभक्ति व कृष्णभक्ति की बयार बहती रही।

‘एकल मेला-2025’ का आयोजन 5 जुलाई को, तैयारियां आखिरी चरण में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एकल विद्यालय अभियान में जुटी वनबंधु परिषद की बेंगलूरु महिला समिति द्वारा 5 जुलाई को एकल मेला-2025’ का आयोजन जेपी नगर स्थित एमएलआर कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है जिसकी आखिरी चरण की तैयारियां जोर-शोर पर हैं। कार्यकारिणी सदस्याओं ने एक बैठक का आयोजन किया जिसमें आखिरी चरण के निर्णय लिए गए एवं जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस वर्ष प्रदर्शनी के मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप और सहप्रायोजक गुरु पुनवानी बिल्डर प्रतिष्ठान है। आगामी त्यौहारों को देखते हुए प्रदर्शनी के लिए विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मेला संयोजक विजयलक्ष्मी सारड़ा, सुनीता गुप्ता, मोना आंचलिया, श्रद्धा दाधीच ने विभिन्न विषयों पर विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आयोजन में कपड़े, गहने, बेडशीट्स, गृह-सज्जा का सामान, बैग, सौंदर्य प्रसाधन वस्तुएं, खिलौने, राखियां, आटा चक्की, सौंदर्य प्रसाधन इत्यादि के 90 से अधिक विभिन्न स्टॉल्स होंगे। साथ ही हर घंटे-लकी ड्रा, बच्चों के लिए पारंपरिक खेल एवं एक्टिविटी किड्स कॉर्नर, एकल के उत्पादों का स्टॉल, स्वादिष्ट भोजन स्टॉल्स मुख्य आकर्षण रहेंगे।

अक्कीपेट वासुपूज्यस्वामी संघ में साध्वीश्री हर्षज्योति का हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वासुपूज्यस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्कीपेट में शुक्रवार को साध्वी हर्षज्योति जी का चातुर्मास प्रवेश हुआ। इस अवसर पर आचार्यश्री अभयशेखर सूरीश्वरजी अपने शिष्यों के साथ चातुर्मास प्रवेश यात्रा में शामिल हुए।

प्रवेश के बाद आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में संतश्री ने कहा कि चातुर्मास के दिनों में ही धर्म आराधना करना ऐसा कोई शाश्वत नियम नहीं है, यह मात्र एक व्यवस्था है। एक आराधक को सतत धर्म आराधना में ही रत रहना चाहिए। उन्होंने चातुर्मास के दौरान आयोजित होने वाले तप की महत्ता बताते हुए क़हा कि जीव अनादि काल से रसना का गुलाम बना हुआ है, ऐसे ही तप धर्म का आलम्बन पाकर वह इससे मुक्त बन सकता है। इस अवसर पर बालिका मण्डल ने संगीतमय प्रस्तुति दी। संघ के अध्यक्ष उत्तमकरण जैन ने सभी का स्वागत किया। सचिव कांतिलाल मुथा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संघ में कई आयोजन करवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिकपेट संघ से मुनिश्री भुवनभूषण विजयजी प्रवचन हेतु आएंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा

बेंगलूरु के जलाधिगेरे चिक्कम्मा दोड्डम्मा ट्रस्ट द्वारा कुरबरहली में आयोजित जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की। मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम में भी सेवा प्रदान की।

सरजापुर बिक्कनहल्ली में धूमधाम से निकली प्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सरजापुर के बिक्कनहल्ली मैन रोड पर निर्मित जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र, माँ सुभद्रा के तीन रथों के साथ पहली बार रथ यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दिन की शुरुआत सूर्य पूजा, रथ अनुकूल, द्वारपाल पूजा और सकला धूप सहित पवित्र अनुष्ठानों से हुई। समारोह में ओडिसी नृत्य और जगन्नाथ संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मंदिर के आसपास मेले सा माहौल था। मंदिर प्रशासन द्वारा भक्तों को प्रसाद भी परोसा गया।

जन्म से ही नहीं, कर्म से जैन होना महत्वपूर्ण : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। शनिवार को स्थानीय महावीर समुदाय भवन में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि क्षत्रिय, ब्राह्मण, वैश्य और शूद्र सभी जाति-वर्गों का जैनधर्म से संबंध रहा है। इसके शुद्ध ज्ञानमार्ग ने हजारों-लाखों की अज्ञानता भरी जिंदगी में सम्यकज्ञान का उजाला प्रसारित किया है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मात्र जन्म से जैन होना ही काफी नहीं है, कर्म से जैन होना महत्वपूर्ण है। पिछले सौ-दो सौ वर्षों में देश-विदेश में ऐसे हजारों लोग उभर कर सामने आए हैं, जिन पर जैनधर्म के सिद्धांतों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। जर्मनी के जाने-माने विद्वान डॉ. हर्मन जैकोबी ने जैनदर्शन का तलस्पर्शी अध्ययन किया था। इसके लिए उन्होंने संस्कृत और प्राकृत सीखी थी। उन्होंने जैन आगम शास्त्र कल्पसूत्र का पहले जर्मनी में और बाद में अंग्रेजी में अनुवाद कर जैन सिद्धांतों की उल्लेखनीय सेवा की। शनिवार को भगवान महावीरस्वामी से अब तक की गुरु परंपरा का पूजन-अनुष्ठान आयोजित किया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने एक-एक प्राचीन जैनाचार्य के इतिहास की रोचक प्रस्तुति दी। बाद में नवग्रह और वास्तु के देवताओं के पूजन-विधान हुए। गणि पद्मविमलसागरजी और मुनि मंडल ने मधुर मंत्रोच्चार किए। मुंबई के कलाकार राकेश शाह और बेंगलूरु के विपिन पोरवाल ने भजनों की

एमजेबीएस युवा शाखा की कार्यकारिणी बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संगठन (एमजेबीएस) कर्नाटक की युवा शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों में सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग की अपील की। नए युवा सदस्यों ने अपना परिचय दिया। आने वाले सत्र में मानव सेवा, गौ सेवा, बॉक्स क्रिकेट टूर्नामिंट, ईपीएस, मेवाड़ प्रीमियर लीग, किशोर मंडल का गठन आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया।

कई सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने संचालन किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राकेश संचेती, उपाध्यक्ष अरिहंत कावड़िया,गौतम खाब्या, कोषाध्यक्ष राजेश बाफना, सह मंत्री राहुल कावड़िया, महावीर ओस्तवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संगठन मंत्री संदीप चौधरी ने धन्यवाद दिया।

एयर इंडिया की उड़ान के केबिन में जलने की गंध के कारण मुंबई लौटी

चेन्नई/मुंबई। चेन्नई जाने वाली एयर इंडिया की एक उड़ान को केबिन में जलने की ‘गंध’ के कारण शनिवार को मुंबई वापस लौटना पड़ा। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि विमान सुरक्षित तरीके से वापस उतर गया। एयरलाइन ने बयान में कहा, मुंबई से चेन्नई जा रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या ‘एआई 639’ को 27 जून दिन शुक्रवार को केबिन में जलने की गंध आने के कारण एहतियातन लौटना पड़ा। एयर इंडिया ने बिना कोई विशेष विवरण दिए बताया कि विमान सुरक्षित तरीके से मुंबई में उतर गया और विमान बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। एयरलाइन ने बताया कि मुंबई में हवाई अड्डे पर उसके कर्मियों ने इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए यात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

बेंगलूरु के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ के पदाधिकारियों ने महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा के नेतृत्व में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रजी व साध्वीश्री सुप्रभाजी के दर्शन कर महासंघ की सात सूत्री मार्गदर्शिका के बारे में चर्चा की और समर्थन चाहा। महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने नरेशमुनिजी को चातुर्मास हेतु महासंघ की ओर से शुभकामना दी। नरेशमुनिजी ने सात सूत्री मार्गदर्शिका को युक्ति संगत बताते हुए कहा कि सभी को इनका पालन करना चाहिए। शालिभद्रजी ने सुझाव दिया कि प्रवचन सभा में सभी सामायिक करें, इस पर भी महासंघ को प्रयास करना चाहिए। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर ट्रस्ट की ओर से महावीर मेहता ने महासंघ अध्यक्ष, मंत्री सहित उपाध्यक्ष सुमरेसिंह मुणोत, कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना, सहमंत्री किशोर दलाल का स्वागत किया तथा चातुर्मास प्रवेश की आमंत्रण पत्रिका भेंट की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com